परमेश्वर अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहता है

GOD KEEPS HIS WORD[2]

(भाई नेविल कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, परमेश्वर आपको आशीष प्रदान करे।") मेरे लिये प्रार्थना कीजीये। ("आमीन" –सम्पा.)

2 मित्रों सुप्रभात। इस प्रातः परमेश्वर की सेवा में यहाँ पर होना और इस अद्भुत स्वागत और संगति को महसूस करना एक सौभाग्य की बात है। एक यात्री के ह्रदय के लिये इस स्वागत की आत्मा को महसूस करना बस कुछ मायने रखती है। आप जानते हैं कि यह बात बस आपके पास आती है, और कुछ ऐसी बात होती है जो कि इसका स्थान नही ले सकती है। और यह आराधनालय में वापस आना है, और हमारे आशीषित परमेश्वर की सेवा में भी वापस आना है।

3 और अब हम बच्चों की समर्पण सभा करेंगे, परन्तु मैं सोचता हूँ कि शायद हम बस उस बात को कुछ छणों में करेंगे।

4 हम ईस्टर के करीब आ रहे हैं। मैं यह सोचता हूँ कि वह इक्कीस तारीख को है। और मैं यहाँ पर बस थोड़ा सा जल्दी आना चाह रहा था ताकि मैं प्राचीनो को और भाई नेविल को देख सकूँ। और.... मैं. ...शायद यह एक अच्छी बात हो कि हम यदि यहाँ पर एक छोटी सभा ईस्टर की सभा के ठीक पहले करें। शायद यह कहें कि बुद्धवार को आरंभ करें और रविवार तक करें और इसका अन्त ईस्टर रविवार को बपतिस्मे कि सभा के साथ करें। और एक छोटी.... एक सभा हो, एक एकत्र होना हो। यही वह आराधनालय हैं जिसमें मैं पला हूँ। यह मेरा पहला और केवल यही मेरा आराधनालय है। और मैं बस उन पवित्र दिनो

के लिये और–और आप सभी के साथ परमेश्वर की आराधना करने के लिये वापस आना चाहूँगा। आप सभी इस बात के पक्ष में होंगे, आप यह साचें कि क्या यह परमेश्वर की इच्छा है? (सभा कहती है, "आमीन"–सम्पा) हाँ, अच्छा, यदि परमेश्वर की इच्छा हुयी तो हम बुद्धवार को ईस्टर रविवार के पहले आरंभ करेंगे।

5 और मैं आप से कहना चाहता हूँ कि हम शायद खजांची से या ट्रस्टी से यह कहेंगे कि वे एक छोटा विज्ञापन यहाँ के अखबार में देंगे। और बच्चों से यह कहें कि हम यहाँ पर आराधना करने के लिये आये हैं, और हमें उन सभी के साथ एक छोटी सहभागिता करने में अच्छा लगेगा। यह एक तरह से घर आना है, और उस बात के लिये तैयार होना है....

6 शायद परमेश्वर हमें इस आने वाले ईस्टर में अपनी पवित्र आत्मा के एक बड़े भाग का हिस्सा पुनुरूत्थान के रूप में प्रदान करे। यह...यह पतझड़ और बसन्त ऋतु के सामान है। मैं यह सोचता हूँ कि बसन्त ऋतु इतना सुन्दर समय होता है, जबकि सभी चीजें नया आकार और नया जीवन प्राप्त करती हैं, और यह बात हमें पुनुरूत्थान की याद दिलाती है। ईस्टर इतने उपयुक्त समय में आता है, बसन्त ऋतु में आता है। यदि हम ध्यान दें, परमेश्वर का वचन बिलकुल उसकी प्रकृति के साथ में चलता है और यह बात उसी प्रकार से होती है। अतः हम हैं....

7 अब यदि प्रभु की इच्छा हुयी, हम इसकी शुरूआत करेंगे। और–और यदि वे अखबार में इस छोटे विज्ञापन को लगायेंगे। और इस बात का दिखावा न करें। बस लोगों को यह बतायें कि हम एक साथ प्रभु की आराधना करना चाहते हैं। जितने भी लोग हमारे साथ कुछ देर के लिये आराधना करना चाहें, हमे यह बस बहुत अच्छा लगेगा। हमे सारे गिरजों के लोगों को यहाँ पर पाकर खुशी होगी।

8 और आप फोन पर इस बात को अपने पड़ोसीयों को बतायें। और आप उन्हें यह बतायें कि हम बस परमेश्वर के विषय में बातचीत करने

जा रहे हैं, और–और बस एक साथ उसकी आराधना करने जा रहे हैं।

9 मैं एक प्रकार से एक कार्य करना चाहता था, यदि यह लोगों की और परमेश्वर की दृष्टि में अच्छा है और यह बात तीन लोगों के लिये ठीक है, मैं नेविल भाइयों से यह चाहूँगा कि वे उस समय में हमारी सहायता करें। क्या आप सब यह नही चाहेंगे? (सभा कहती है, ''आमीन''–सम्पा) यह एक ठीक बात है। और अतः हम यह चाहेंगे कि उनकी उस प्रकार से देखभाल की जाये, यदि परमेश्वर हमें इस बात को करने के लिये योग्य समझता है। और अतः हम दूसरी कलीसियाओं से गायकों को बुला रहे हैं कि वे आयें और–और जबकि हम इस कार्य को कर रहे हैं, हमारी सहायता करें। आपकी कलीसिया के गायकों को यहाँ पाकर हमे खुशी होगी। आप भाई नेविल से मिलें, शायद एक रात्रि पहले मिलें, और उन लोगों को कार्यक्रम में शामिल करें ताकि वे हमारे लिये गाना गा सकें।

10 हमें अच्छा गाने सुनना प्रिय लगता है। मैं बस एक पुराने तौर के जैसे घर वापस आना अच्छा लगता है, बस वह जगह जहाँ हम सभी एकत्र होते हैं। और ऐंजी को लायें। वे कहा हैं... क्या बहन ऐंजी इस प्रातः यहाँ पर हैं? उन्हें लायें ताकि वे और बहन जरटी हमारे लिये एक बार घर आने वाला समय और थामे रहो गीत गा सकें। बहन जरटी, यह बात इस प्रकार से लगती है कि बेदारी फिर से आरंभ होने जा रही है। जबसे हम यह गाना गाया करते थे, बहुत सा पानी नदी में बह चुका है।

11 मेरा जन्मदिन कल था, और मैं–मैं यह जानता हूँ कि मैं और अधिक लड़का नही रहा। मैंने कहा, ''मैंने अब चौबीस वर्ष पार कर लिये हैं। अतः ...'' और फिर वे बस मेरे वे वर्ष हैं..... मैं उनको नही गिनता हूँ जिनमें मेरा शारीरिक रूप में अर्थात प्राकृतिक रूप में जन्म हुआ है, मैं अपने आत्मिक वर्षों को गिनता हूँ, आप समझे। लगभग चौबीस वर्ष पहले मेरा नया जन्म हुआ था। और वह बात अनंत है। और वह रहेगा... वह एक महान आशीषित जन्मदिन था। और वह कभी समाप्त नही होगा, यह एक बात निश्चित है।

12 अब मैं चाहूँगा कि बहन जरटी यदि वह यह करेंगी..... इससे पहले कि हम इन छोटों को समर्पण के लिये लायें। अब बहुत सी बार.

13 बाईबिल में हम यह पाते हैं कि वचन में केवल एक ही जगह जो मैं जानता हूँ जहाँ पर छोटे बच्चों के लिये यह आदेश दिया गया है। अब बहुत से लोग उनका छिड़काव करते हैं, आप जानते हैं और वे उसे बपतिस्मा और वगैरह–वगैरह कहते हैं। जो कि एक ठीक बात है। परन्तु मैं हमेशा बस वैसे ही बने रहना चाहता हूँ जैसे कि बाईबिल कहती है, आप जानते हैं। और बाईबिल में उन्होंने कभी भी बच्चों को बपतिस्मा नही दिया। न ही उन्होंने उनका छिड़काव किया। वे बस उन्हें प्रभु के पास लाये और उसने उन्हें अपने हाथों में लिया और उन्हें आशीषित किया और कहा, ''छोटे बच्चों को मेरे पास आने दो और उन्हें मना मत करो क्योंकि स्वर्ग का राज्य ऐसों का ही है।''

14 और अब एक विचित्र बात यह थी कि मैंने बाईबिल में ठीक उस स्थान पर निकाला जहाँ पर यह पाया जाता है, मरकुस 10 में। यह बस ठीक यहाँ पर है, ठीक मेरे सामने है।

15 और अतः प्रभु, इन बच्चों को लेकर आये... वे छोटे बच्चों को उसके पास लेकर आये, और उसने बस उनको आशीष दी और कहा, ''छोटे बच्चों को मेरे पास आने दो और उन्हें मना मत करो क्योंकि स्वर्ग का राज्य ऐसों का ही है।''

16 अब हम यह जानते हैं कि हमारा प्रभु महिमा में चला गया है, और उसकी आत्मा वापस इस संदेश को तब तक ले जाने के लिये कलीसिया में लौटकर आयी है जब तक कि वह वापस नही आ जाता है। हम उस बात की बाट जोह रहे हैं।

17 और जिस तरीके से हम इस बात को करते हैं कि बस इन छोटे बच्चों को ऊपर लेकर आते हैं और हम कलीसिया के प्राचीनो को लेकर आते हैं और मैं इन छोटे बच्चों को लेता हूँ और परमेश्वर को समर्पित कर

देता हूँ। मैं यह सोचता हूँ कि इन छोटे बच्चों को देखना कितनी मधुर सेवा है। क्योंकि इससे कोई फर्क नही पड़ता है कि हम कितने युवा है और कितने बूढ़े हैं, इन छोटे बच्चों में से एक ने हमारे हृदय में बस अभी स्थान बनाया है। क्या यह ठीक बात नहीं है? (सभा कहती है, ''आमीन''–सम्पा.)

18 अब, जबकि हम परमेश्वर के पास आते हैं, बस उसी प्रकार से हम परमेश्वर के हृदय में होते हैं। हम उस अवस्था को कभी नही छोड़ते हैं। हम हमेशा छोटे बच्चे हैं।

19 जब अब्राहम नियान्वे वर्ष का था, वह परमेश्वर के लिये बस एक छोटे बच्चे के सामान था। परमेश्वर ने उसे बताया, कहा, ''अब्राहम, मैं वह स्तन हूँ जिससे तू पोषित होता है। समझे, बस–बस मुझपर निर्भर रह, और पोषित हो और हर एक बात ठीक हो जायेगी।'' और उसने अब्राहम को बस उसके वचन को थामे रहने के द्वारा वापस युवा पुरूष में बदल दिया।

20 और मैं विश्वास करता हूँ कि हमने एक छोटा गाना गाया, उन्हें अन्दर ले आओ। और आप अपने छोटे बच्चों को यहाँ ऊपर लें आयें, आप जो कि यह चाहते हैं कि उनका समर्पण किया जाये। मैं प्राचीनो से आग्रह करूंगा कि वे भी आगे आयें। ठीक है।

उन्हें अन्दर ले आओ,
उन्हें पाप के मैंदानों में से अन्दर ले आओ,
उन्हें अन्दर ले आओ, उन्हें अन्दर ले आओ,
भटकते हुओं को यीशु के पास ले आओ।

21 ओह, मुझे इन छोटे बच्चों को देखना कितना प्रिय लगता है! अब आपका–आपका नाम क्या है? (पिता कहता है, ''रिडल''–सम्पा) इनका नाम क्या है? (''शारोन लूसी'') छोटी शारोन लूसी रिडल। और मैं निश्चित हूँ कि हम सभी भाई और बहन रिडल से प्रेम करते हैं। हम यहाँ

पर भाई रिडल को जानते हैं। वह यहाँ पर शहर में एक जूतो की दुकान को चलाते हैं। और उनका एक सबसे सुन्दर बच्ची यहाँ पर है जिसका नाम छोटा शारोन, शारोन लूसी रिडल है। भाई और बहन रिडल, यह कितने वर्ष की है? (भाई रिडल कहते हैं, ''चार महीने की'') चार महीने की। ओह मेरे परमेश्वर! यह हृदय के लिये एक छोटी मूरत है, क्या नही है?

22 और अब परमेश्वर ने आपको यह प्यारी छोटी सी बच्ची दी है, और अब आप इसे परमेश्वर को समर्पित कर रहे हैं, उसे परमेश्वर के हाथों में, जिसने कि आपको दिया है, आप वापस उसे परमेश्वर को दे रहे हैं। आप उसे परमेश्वर को दे रहे हैं ताकि वह इस बच्ची के छोटे जीवन को आशीषित करे और उसके जीवन को एक सेवा करने वाला जीवन बना दे। और उसे बनायें... आप यह प्रार्थना करें कि परमेश्वर उसे एक ऐसा बच्ची बनाये कि वह आपके हृदय को आशीषित करे जब आप बूढ़े हो जायें, और यदि यीशु रूकता है, होने पाये कि यह परमेश्वर के लिये एक महान कार्यकर्ता हो। और आप को इस छोटी लड़की के ऊपर गर्व हो। होने पाये कि परमेश्वर यह प्रदान करे जबकि हम उसे आशीष देने के लिये लेते हैं।

23 मैं सभी स्त्रियों से और पुरूषों से भी यह चाहता हूँ कि आप इस छोटे से अच्छे बच्चे को देखें। क्या यह सुन्दर नही है? छोटी शारोन।

आइये हम अब अपने सिरों को झुकायें।

24 हमारे आशीषित स्वर्गीय पिता, आपके अनमोल वचन में हमने पढ़ा कि वे छोटे बच्चों को आपके पास लेकर आये कि आप उनपर हाथ रखकर उनको आशीष प्रदान करें। और अब यह जोड़ी, यह पवित्र विवाह के बंधन के द्वारा आपने इस छोटी प्यारी सी बच्ची शारोन रिडल की देखभाल करने के लिये इनको दिया है। और प्रिय पिता हम आपसे यह प्रार्थना करते हैं कि आप इस बच्ची को आशीषित करेंगे जबकि वे इस प्रातः समपर्ण के लिये आये हैं कि उस बच्ची को वापस उसे दें जिसने

उनको वह प्रदान की है। और मैं आप से यह माँगता हूँ कि आप उन्हें और उनके जीवनो को आशीष प्रदान करें। और होने पाये कि यह छोटी बच्ची जीये, बड़ी हो और उसका स्वास्थ अच्छा हो और वह आपकी दासी बनने पाये। और होने पाये कि वह उस प्रकार की स्त्री बने जिसका हृदय परमेश्वर की ओर और अपने माता–पिता की ओर होता है। इसे प्रदान कीजीये, परमेश्वर।

25 और अब आपके प्रचीन होने के नाते हम इस बच्चे को आपकी ओर उठाते हैं, जबकि उन्होंने उसे मेरे हाथों में रखा है और मैं इसे आपकी ओर उठाता हूँ। मसीह के नाम में आप इस बच्चे को आशीषित करेंगे। और होने पाये की यह जीये और बड़ी हो और मजबूत और स्वस्थ हो और परमेश्वर का दासी बनने पाये। जबकि हम इसको आपको देते हैं हम यह यीशु मसीह के नाम में माँगते हैं। आमीन।

छोटी सी प्रिय बच्ची, परमेश्वर आपको आशीष दे। आप एक महान और छोटी सी मधुर बच्ची हो।

26 परमेश्वर आप दोनो को आशीष दे। और होने पाये की इस छोटी बच्ची को बड़ा करने में आप को बहुत आनंद प्राप्त हो।

हम आनंद मनाते हुये आयेंगे, पूलों को लायेंगे।
पूलों को लायेंगे, पूलों को लायेंगे।
हम आनंद मनाते हुये आयेंगे, पूलों को लायेंगे।
पूलों को लायेंगे, पूलों को लायेंगे।
हम आनंद मनाते हुये आयेंगे, पूलों को लायेंगे।
तब फिर क्या अद्‌भुत न होगा?

अब आइये हम अपने सिरों को कुछ छणों के लिये प्रार्थना में झुकायें।

27 ओह परमेश्वर, जिसने की स्वर्ग और पृथ्वी की सृष्टि की, बस

उसकी साँस को वचन के साथ में जाने दें, और हर एक बात अपनी सही स्थिति में आ जायेगी। पृथ्वी, चाँद, सितारे, सभी अपनी स्थिति में आ गये जब परमेश्वर ने अपने वचन पर अपना श्वास फूंका।

28 और ओह परमेश्वर, आज जबकि हम वचन को लोगो तक लाने का प्रयास कर रहे हैं, हम आपसे यह चाहते हैं कि आप अपना श्वास वचन पर फूँकेंगे। होने पाये कि वचन इस प्रातः अपना स्थान लेने पाये, और हर एक हृदय में जड़ पकड़ने पाये और गहराई में जाने पाये, कि यहाँ पर उपस्थित हर एक जन आपकी आशीषें प्राप्त करने पाये।

29 परमेश्वर, उन लोगों की सहायता कीजीये जो कि मार्ग से बाहर हैं, आत्मा में अपंग हैं। और वे यह नही जानते हैं कि आप प्रेम करनेवाले उद्धारकर्ता हैं, जिसका कि हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ है। हम यह प्रार्थना करते हैं कि आप आज उन्हें बहुतायत से आशीष प्रदान करेंगे। और होने पाये कि जब वे इस भवन को छोड़ें, वे उस नये तरीके से प्राप्त मसीह के लिये, जिससे कि वे इस सभा में परिचित हुये हैं, खुश हों और आनंद मनायें।

30 यदि कोई ऐसा है जो कि संसार की चिंताओं में दूर चला जा रहा है, ओह परमेश्वर, उन्हें वापस लायें। और पिता, जो बिमार हैं और आवश्यकता में हैं, हम उनके लिये प्रार्थना करते हैं कि आप आज हर एक बिमार व्यक्ति को चंगा करेंगे। उन लोगो को साहस दिलायें जो कि थक चुके हैं। और उन लोगो को आशीषित कीजीये जो कि बफादारी सें थामे हुये हैं। परमेश्वर, इसे प्रदान कीजीये। होने पाये कि आपकी आत्मा सभी पर आये।

31 वचन को आशीषित कीजीये जैसे ही यह बोला जाता है; वक्ता को जो कि इसे बोलता है और जो इसे सुनता है, आशीषित कीजीये। और सब मिलाकर इस सभा के लिये जो की यहाँ पर एकत्र है, महिमा प्रदान करें क्योंकि हम यह मसीह के नाम में माँगते हैं। आमीन।

32 अब मैंने बस एक लम्बी सभा के बाद जो कि कुछ चार महीने से चल रही है, विश्राम नही किया है, और यह अंतिम पाँच सप्ताह की सभा बहुत थका देने वाली थी। क्योंकि अब न्यु यार्क से लेकर सेन फ्रांसिस्को तक सारे राष्ट्र में हमारी बहुत अच्छी सभा रही है। जब हम उसको पार कर रहे थे, हम पूरे राष्ट्र में इधर उधर गये हैं। और परमेश्वर ने बहुत सारे लोंगो को बड़ी संख्या में बचाया है।

33 हमारे आशीषित स्वर्गीय पिता, पिछले रविवार, एक सप्ताह पहले ही मैंने एक बड़े स्थल में हजार से पन्द्रह सौ पापियों को ओकलैंड कैलीफोर्निया में एक ही बार में वेदी पर पश्चाताप करते हुये देखा था। वह बस भरा हुआ था। और स्थल के चारों ओर बैठे हुये लोगो को हमें बीच में बैठाना पड़ गया था। और परमेश्वर ने बस आशीषित किया था।

34 और वहाँ पर जैसा कि आपने सुना है, एक बड़ा भूकंप आया था। और वह मेरी पत्नी के लिये पहला था जिसको कि उसने देखा। उस के बाद में वह थोड़ी सी डरी हुयी थी। वह बहुत ही शक्तिशाली भूकंप था, भवन हिल गया था और धूल उड़ी थी और बोतलें जो कि उसपर..... हम एक दवा की दुकान में खड़े हुये थे, घर भेजने के लिये कुछ पोस्ट कार्ड ले रहे थे, और बोतलें हिल गयी थीं और चिमनी गिर गयी थी। और बड़े भवन एक साथ हिल उठे थे; सड़कें फट गयीं थीं, और उनका कुछ हिस्सा नीचे धंस गया था। और यह बस एक बात की याद दिलाता है कि दिवार पर हस्तलेख लिखा हुआ है। ''विभिन्न जगहों पर भूकंप आयेंगे।''

35 उस एक ही दिन में आठ भूकंप उसी शहर से आकर टकराये। और फिर लगभग रात में दस बजे हम बस अन्दर गये ही थे, या साढ़े दस बजे थे और हम लेटे हीं थे; लैंप जो कि फर्श के मध्य में था, एक और बड़े और शक्तिशाली भूकंप से गिरने वाला था। यह बस एक बात को दिखाता है कि हमसे आठ हजार मील नीचे सिवाये लाल जलते हुये लावा के कुछ नही है।

36 और ठीक उसी समय हमने यह बात सुनी की हमारे ऊपर आक्रमण करने वाले यह कह रहे हैं कि उन्होंने लोगो को स्कैनीडेविया में जाने से रोक दिया है और उसी प्रकार की बाते की हैं, और यह बात भी थी की वे उनको परमाणु बम से नाश करने जा रहे हैं। और हम यह आश्चर्य कर रहे हैं कि तब क्या होगा जब वे उन बमों को गिराना आरंभ करेंगे और पृथ्वी में उन स्थानों को बमों से उड़ाना आरंभ करेंगे। जब वे ठीक वही बात करेंगे जो कि परमेश्वर ने कहा था कि वे करेंगे। "अब पानी से और अधिक नही परन्तु इस बार आग से।"

37 अतः इस बात से प्रतीक्षा करने वाले के हृदय में आनंद होता है जो कि प्रभु के आगमन की बाट जोह रहे हैं, और व आशीषित घड़ी आने वाली है जब हमारी बूढ़ी बेकार देह बदल जायेगी और उसकी महिमायुक्त देह की तरह हो जायेगी। और हम उसे देखेंगे। और अधिक संघर्ष नही करना नही होगा, वहाँ दुःख न होगा, बुढ़ापा नही होगा, अनंत दिन नही होगें, भूख नही होगी, चिंता नही होगी, बिमारी नही होगी, मृत्यु नही होगी।

38 ओह, हम उस बात को समझ नही सकते हैं! मित्रों, मैं आपको बता रहा हूँ! यह एक कठिन बात है क्योंकि हम मनुष्य हैं, और मृत्यु एक बात है जिसका सामना करने से हम सब घृणा करते हैं। परन्तु यह एक आशीषित राहत की बात है, यह एक आशीषित बात है कि वह एक दिन आने वाला है, और यह सब बातें बदल जायेंगी।

39 अब स्मरण रहे, और आप आ जायें... विशेष रूप से पापी मित्रों, अब आप इस सभा में आयें, यह बेदारी की सभा जो होने वाली है।

40 अब बस थोड़ा बोलने के लिये, जैसा कि मैंने कहा है कि मेरा गला अभी तक साफ नही हुआ है, और मैं अभी भी थोड़ा सा थका हुआ हूँ। परन्तु मैंने इस सप्ताह विश्राम किया है, मैं यहाँ तक कि फोन से दूर रहा हूँ ताकि मुझे कुछ दिन विश्राम करने के लिये मिल जायें।

41 और फिर इस आने वाले सप्ताह में यदि मैं कर सका तो मैं थोड़ा सा विश्राम करना चाहता हूँ, और फिर छोटी सी बेदारी के लिये तैयार होना चाहता हूँ। तब फिर मैं कैनेडा जाऊँगा, और कैनेडा से वापस इंडिन्यानापौलिस जाऊँगा। और इंडिन्यानापौलिस से शिकागो जाऊँगा। और शिकागो में मसीही व्यापारी पुरूषों की अंतरराष्ट्रीय सभा के बाद। और उन्होंने मेरा आरक्षण करा लिया है। अब आप मेरे लिये प्रार्थना करें, और विशेषकर बेदारी में कि परमेश्वर मेरा मार्गदर्शन करे। जून में पूर्ण संसार का एक दौरा आरंभ होने जा रहा है, और मैं नवम्बर में या जुलाई में वापस आऊँगा। और फिर युरोप, ऐशिया और द्वीपों से और समद्रों से होते हुये और पश्चिमी तट से होते हुये आना है। पूर्व को छोड़ने के बाद संसार के चारों ओर जाना है और फिर पश्चिमी तट पर वापस आना है। इस समय में कितनी आवश्यकता है!

42 और अब कुछ ऐसी बात है जो कि मुझे थोड़ा सा जांचती है। मैं यह नही जानता हूँ कि कहीं वह कुछ ऐसी चीज तो नही जो कि सड़क पर हो, या वह क्या बात है, मैं नही जानता हूँ। परन्तु आप मेरे लिये प्रार्थना करें, और परमेश्वर इस बात को ठीक कर देगा।

43 अब आज प्रातः वचन में से दो जगह हैं जहाँ से मैंने पढ़ने के लिये चुना है, इसीलिये लोग आते हैं कि उनके लिये प्रार्थना की जाये। यह बिमारों के लिये और जो आवश्यकता में हैं उनके लिये थोड़ा सा समय है कि उनके लिये प्रार्थना की जाये। और मुझे बस वचन को थोड़ा सा सिखलाना अच्छा लगता है।

44 तब शायद यदि आज रात्रि प्रभु की इच्छा हुयी, तो मैं शायद केवल वचन को सिखलाऊँगा ही नहीं परन्तु उससे थोड़ा सा प्रचार भी करूंगा।

45 अब मैं दो जगहों से पढ़ना चाहता हूँ, और वे दोनो स्थान पुराने नियम में हैं। एक गिनती के 13वें अध्याय में और उसकी तीसवीं आयत में है। और दूसरा यहोशू के पहले अध्याय और नौवीं आयत में है।

तब कालेब ने मूसा के सामने प्रजा के लोगों को चुप कराने की मनसा से कहा, हम अभी चढ़के उस देश को अपना कर लें; क्योंकि निःसन्देह हम में ऐसा करने की शक्ति है।

46 और फिर यहोशू के पहले अध्याय में और उसकी नौवीं आयत।

क्या मैंने तुझे आज्ञा नही दी है? हियाव बान्धकर दृढ़ हो जा; भय न खा, और तेरा मन कच्चा न हो; क्योंकि जहां जहां तू जाएगा वहां वहां तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे संग रहेगा।

47 और होन पाये की परमेश्वर अपने वचन के पढ़े जाने पर आशीष प्रदान करे। मैं बस वचन से प्रेम करता हूँ। और यदि मैं इस प्रातः एक विषय कहूं, मैं यहां पर इस संदर्भ में बोलना चाहूंगा, एक मूलपाठः **परमेश्वर अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहता है**। अब यह....हम इस पर कुछ सप्ताह तक रूक सकते हैं; इस पर एक वर्ष तक बेदारी कर सकते हैं और फिर भी यह पाठ इतना ताजा होगा जितना कि यह तब था जब यह शुरूआत मे था, और यह विषय है कि **परमेश्वर अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहता है।**

48 एक बात है जो कि परमेश्वर नही कर सकता है। क्या आपने कभी इसके विषय मे सोचा है? एक बात है जो कि परमेश्वर नही कर सकता है, वह है असफल होना। वह असफल होने के अलावा सब कुछ कर सकता है, परन्तु वह असफल नही हो सकता है। अतः यदि हमारा सबसे पवित्र विश्वास इस प्रातः उस अद्भुत व्यक्ति के ऊपर बना हुआ है जो कि वो सब कुछ जो किया जा सकता है कर सकता है, सिवाये असफल होने के, हमे उसके अनन्त वचन में कितना विश्वास करना चाहिये!

49 मेरा हृदय में पिछले वर्ष कितनी हलचल थी, जब मैंने राष्ट्रों को देखा और देखा कि चीजें जिस तरह से वे हैं ऊपर आती हैं, और छोटे मत उठ खड़े हो रहे हैं। यह मेरे स्मरण में उस बात को लाता है जो कि

उस कोने के पत्थर में लिखा हुआ है, उस प्रातः जब हमने समर्पण किया था... या उस कोने के पत्थर को रखा था। जब प्रभु ने मुझे जगाया था; उन दिनो में मैं यह नही जानता था कि दर्शन क्या होते हैं।

50 मैं उस घर की छत पर लगी चिमनी को देख रहा हूँ, वह स्थान उस स्थान से जहाँ पर मैं बैठा हुआ था पाँच फीट या उससे ज्यादा होगा जब दर्शन 1933 में तेईस वर्ष पहले आया था। यह मेरा अनुमान है कि यह लगभग चौबीस वर्ष पहले था। मैं उस चिमनी को ठीक अभी देख रहा हूँ।

51 यह मेरी शादी के बहुत पहले की बात है। मैं अकेला था, और घर पर था। हम बस गिरजे को बना रहे थे। और हम उस प्रातः कोने के पत्थर को रख रहे थे, जब प्रभु ने मुझे दर्शन दिया। मैं जग गया था और मैंने खिड़की के बाहर देखा। और वह जून का महीना था, मधु के फूल और उसकी कोपलें खिली हुयी थीं। और दिखने में ऐसा प्रतीत हुआ कि मैं बाहर चलकर गया या कुछ ऐसा ही था। और मैंने–मैंने प्रभु यीशु को देखा, और अपने आराधनालय को देखा। और उसने मुझे यह बताया कि यह मेरा आराधनालय नही है; और वह मुझे आसमान के नीचे लेकर आया। आपमें से बहुत से इस दर्शन को जानते हैं क्योंकि इसे लिखा गया था और इसे छापा गया था, और मेरा विश्वास है कि करीब एक लाख पुस्तकों का चौथा या पाँचवा संस्करण सत्तरहा विभिन्न भाषाओं में प्रकाषित हुआ था। और बस देखिये कि यह कैसे शब्द दर शब्द घटित हुआ था, बस कभी असफल नही हुआ! कैसे हम एक साथ एक प्यारे से छोटे लोगो के झुण्ड में आयें हैं, और कैसे परमेश्वर ने हमें आशीष दी है, और फिर एक जगह से दूसरी जगह, परन्तु अन्त में प्रचार कार्य के क्षेत्रों में, और संसार में चारों ओर यह कैसे गया है।

52 और कैसे वह समय आ गया है कि यह बातें हुयी हैं। कैसे यह संसार कानो की खुजली मिटाने के लिये उपदेशकों को बटोर लेगा, और लोग अपना ध्यान सत्य से हटाकर कथा कहानियों में लगायेंगे। और कैसे उसने यह बात कही थी, ''वचन का प्रचार कर। वचन पर बना

रह।'' और यदि मैंने कुछ करने का यत्न किया है तो वह है परमेश्वर के अनन्त वचन पर बना रहना।

53 हम इस संसार के विधान की समाप्ति की अंतिम घड़ियों में रह रहे हैं। मैं बस इस बात को नही समझ पाता हूँ कि कैसे कोई भी व्यक्ति जो कि देख सकता हो, अखबारों को देख सकता हो, या रेडियो को चलाता हो और पश्चाताप न करे। मैं–मैं इस बात को समझ नही सकता हूँ। कैसे यह बात है कि हम बस उस महान बात जो कि घटित होने वाली है, उसकी संध्या पर हैं। यहाँ तक कि प्रकृति भी उस बात को दिखलाती है। संसार अधीर हो रहा है। वह अपने अन्दर से ज्वालामुखी को निकाल रहा है, और अधीर होकर निस्सहाय हो रहा है। बड़े भूकंप हिला रहे हैं और सड़कों को फाड़ रहे हैं, और उड़न तश्तरीयों के खौफनाक दृश्य दिखायी दे रहे हैं, और ऐसी मिसाईले हैं जो कि पृथ्वी में से छोड़ी जा सकती हैं और पाँच मिनटों में राष्ट्र को नाश कर सकती हैं, उनका विनाश कर सकती हैं। हम अंत समय पर हैं। कुछ हो रहा है... कोई तरीका नही है जिससे कि उस बात को रोका जा सके। कोई तरीका नही है। उससे बाहर निकलने का एक ही मार्ग है और वह है ऊपर का मार्ग। कोई तरीका नही है जिससे कि आप छुप सकें। एक स्थान के अलावा छुपने का कोई स्थान नही है।

54 जैसे कि छोटी लड़कियाँ यहां पर गाया करती थीं, जब मैं एक लड़का प्रचारक था, वे गाया करती थीं:

वहाँ नीचे कोई छुपने का स्थान नही है;
मैं चट्टानों में गया कि मैं अपने चेहरे को छुपा सकूं, परन्तु चट्टानें चिल्ला उठीं....
वहाँ नीचे कोई छुपने का स्थान नही है;

55 परन्तु एक छुपने का स्थान है। ''प्रभु का नाम एक शक्तिशाली गड़ है: धर्मी जन उसमें भागकर छुप जाता है और सुरक्षित रहता है।'' हम कितने खुश हैं कि हमें अन्त समय में यह छुपने का स्थान मिला है।

56 और जैसे कि हम चारों ओर देखते हैं और उन बड़े चिन्हों को चलते हुये देखते हैं, और इस आने वाली बेदारी में यदि परमेश्वर की इच्छा हुयी, मैं उत्त्पत्ति की पुस्तक में जाना चाहता हूँ और उन महान असाधारण बातों को बाहर लाना चाहता हूँ कि, ''हम अन्त पर हैं। हम यहाँ पर हैं।'' मैं यह विश्वास करता हूँ कि अभी जो पीड़ी ठीक इस समय पृथ्वी पर है, वह प्रभु यीशु के आगमन को देखेगी। मैं अड़तालीस वर्ष का हो चुका हूँ। शायद मैं न देख पाऊँ। मैं नही जानता हूँ। शायद यह कल हो जाये। परन्तु मैं विश्वास करता हूँ कि कुछ यहाँ पर हैं जो कि उस धार्मिक व्यक्ति के आगमन को देखेंगे, समय के अन्त को देखेंगे। और मैं विश्वास करता हूँ कि हममें से बहुत से, विशेषकर वे जो इस गिरजे में हैं, वे बुड़ापे से तब तक नही मरेंगें जब तक कि वे सबसे खौफनाक बात को होते हुये न देख लें, ऐसी बात जो कि ठीक इसी राष्ट्र में होने जा रही है और जो कि कभी नही हुयी है। यह सत्य बात है।

57 भाई, हम करूणा के किनारों को इतनी हद तक पार कर चुके हैं कि अब न्याय को छोड़ कुछ बाकी नही रह गया है, परन्तु धार्मिक लोगों को अधार्मिक लोगों के साथ दण्ड नही मिलेगा। परमेश्वर आयेगा और अपनी कलीसिया को छुड़ायेगा, और ही उससे मिलने के लिये हवा में ऊपर जायेंगे। और यह बात किसी भी बम से या किसी भी परेशानी से परे होगी, और हम उस समय में सुरक्षित होंगे।

58 अतः बच्चों, अपने परमेश्वर के पास जल्द आ जाओ। संसार के साथ किसी भी बात के लिये उलझे न रहो। इस आधुनिक संसार से दूर रहो। इस आधुनिक धर्मशास्त्रज्ञान से दूर रहो। बस परमेश्वर के मेमने को निहारते रहो। अपनी बाईबिल को पड़ो और हर समय प्रार्थना करते रहो। थक मत जाओ। आनन्द मनाते रहो, खुश रहो क्योंकि कलीसिया का छुटकारा निकट आ रहा है, जब हम उसको देखेंगे जिसेने हमारे लिये जान दी।

59 हमारा पाठ आज के युग के साथ मेल खाता है। पहले वचन के लेख से आरंभ करते हुये जो कि मैं गिनती की पुस्तक में पढ़ रहा था।

वह उन लोगो के विषय में बोल रहा था जो कि एक महान राष्ट्र में से बुलाये गये थे जो कि पास में था, और उनका न्याय किया गया था।

60 मैं चाहता हूँ कि आप इस बात को समझें कि पाप को बिना दण्ड दिये छोड़ा नही जायेगा, चाहे वह एक राष्ट्र हो, या एक कलीसिया हो, या एक घर हो या कोई व्यक्ति हो। पाप से न्याय के आधार पर व्यवहार किया जाना चाहिये। कोई और तरीका नही है। उस बात का यह कहकर प्रायश्चित नही किया जा सकता है, ''मैंने गलती की है, अब मैं अच्छाई करूंगा।'' इससे काम नही चलेगा। आप अपने आप से प्रायश्चित नही कर सकते हैं, क्योंकि प्रायश्चित तो पहले से ही किया जा चुका है।

61 यह तो अंगीकार करना होता है कि आप गलत हैं, और फिर आप आते हैं और आप अपने आप को ठीक करते हैं।

62 अतः पाप से व्यवहार किया जाना चाहिये, और परमेश्वर हमेशा पाप से व्यवहार उसका न्याय करके करता है। यही कारण है कि हमारे परमेश्वर की कलवरी पर ऐसी मृत्यु हुयी, वह इसलिये हुयी क्योंकि पाप इतना अधिक भयानक था कि पाप को न्याय उसपर डाल दिया गया। कि वे जो चाहते हैं उसपर विश्वास करने के द्वारा और उसको अपना पाप–अवरोध स्वीकार करके स्वतन्त्र हो जायें। ऐसा नही है हम कितने अच्छे हो सकते हैं, परन्तु यह बात है कि हम उसे कैसे ग्रहण करते हैं और उसपर विश्वास करते हैं। और जब हम उसे ग्रहण करते हैं, वह हमारे हृदय में आ जाता है, और यही तो अच्छा वाला भाग है। यह उस बात पर निर्भर नही है कि हम क्या कर सकते हैं; यह तो उस बात पर निर्भर कि उसने हमारे लिये क्या किया है। यही वह बात है, ''उसको हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया, और हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी; कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जायें।''

63 अब यह लोग मिस्र में कुछ चार सौ वर्षों से थे। और हम सब इस बात से परिचित हैं कि कैसे इस्राएल की संताने नीचे गयीं और कैसे

वहाँ पर नीचे परमेश्वर ने उन्हें मिस्रियों को सौंप दिया था। और उन्होंने उनके साथ में बुरा बरताव किया था क्योंकि परमेश्वर के वचन ने कहा था कि वे ऐसा करेंगे।

64 अब परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतीज्ञा करी कि चार सौ वर्षों तक उसके लोग एक विचित्र देश में रहेंगे। और जब प्रतिज्ञा का समय निकट आया, परमेश्वर के पास सब कुछ तैयार था।

65 ओह, जब मैं उसके विषय में सोचता हूँ, मैं उससे कितना प्रेम करता हूँ। बस ठीक उस निर्णायक घड़ी में! वह एक मिनट भी लेट नही होता है। वह बस हमेशा समय पर होता है। यदि हम भी बस वैसे हो पाते! ओह, हम उस बात को जल्दी करना चाहते हैं। हम उसको अपने समय में करना चाहते हैं। परन्तु हम उसे कभी नही कर सकते हैं। परमेश्वर उसे अपने समय में करता है। हम उस बात को किसी भिन्न तरीके से नही कर सकते हैं।

66 कल मैं अपनी बहन के घर के पीछे वाले हिस्से में खड़ा हुआ था जो कि हमसे अगले वाले घर में रहती है, उनका नाम बहन वुड्स है, हम एक छोटे कूकून को ध्यान से देख रहे थे जो कि पेड़ पर बन रहा था। और हवा उसे आगे और पीछे की ओर लहरा रही थी। और वह उस बात को बता रहीं थीं की रेगिस्तान की नदियों में, मेरा विश्वास है कि वे कूकून पर एक लेख को पड़ रही थीं। वह एक छोटा कीड़ा होता है जो कि वहाँ पर जाता है और अपने चारों ओर एक छोटा सा कवच बना लेता है, ताकि वह अपने आप को ठंड से बचा ले। और, परन्तु जब वह समय आता है.

67 यह व्यक्ति जो कि यहाँ एक छोटे लड़के से व्यवहार कर रहा था, उन्होंने छोटे कूकून को चलते हुये और हिलते डुलते देखा है। और उनको उस छोटे कीड़े को देखकर बहुत दया आयी, अतः उन्होंने सोचा कि वे उसके अन्त के एक भाग को काट देंगे और उस कीड़ें को उसमें से बाहर निकाल देंगे। क्योंकि, जब वह वहाँ से बाहर आता है, तो उसके पास पंख होने जा रहे थे। वह एक छोटे से कीड़े की तरह से या एक

छोटे से केचुये की तरह से अन्दर जाता है और वह पंख लिये हुये बाहर आता है, एक तरह से वह महिमायुक्त अवस्था में वापस आता है। और जैसे ही वह हिल–डुल रहा था, और खींच रहा था, और झटके मार कर खींच रहा था और मार रहा था, और काट रहा था, और कूकून से बाहर आने का यत्न कर रहा था, उनको उसके ऊपर दया आयी। अतः उन्होंने सोचा कि वे उसका समय कम करके जल्दी से बाहर निकाल दें, अतः वे गये और उन्होंन कैंची ली और उसके अन्त वाले भाग को काट दिया। और जब उन्होंने अन्त वाले भाग को काट दिया, छोटा कीड़ा बाहर आया। परन्तु वह कभी भी ठीक अवस्था में नही था, क्योंकि उसके शरीर में कोई शक्ति नही थी। उसके पास नही था... वह अपने पंखों का उपयोग नही कर सकता था।

68 और मैं सोचता हूँ कि उसी प्रकार से हमने भी नकल करने का यत्न किया है, कहा है, ''वेदी पर नीचे आ जाओ!'' और–और यह और वह और कुछ और कहा है, और लोगो को वापस परमेश्वर की ओर या कलीसिया में लाने का, या मसीह में लाने का प्रयास किया है। बस उनको उस बात के विषय में रोने–चिल्लाने दिया है। बस यही बात है। बस अपने आप से कुछ करने का यत्न किया है। बस यही बात है। यदि आप उन्हें एक छोटा सा आसान मार्ग देते हैं, वे कभी खड़े नही हो पायेंगे। मैं यह चाहता हूँ कि वे इसमें संघर्ष करें और उस बात पर तब तक कार्य करते रहें जब तक कि परमेश्वर उन्हें एक वास्तविक जन्म, प्रकृति की तरह से नही प्रदान कर देता है, बस उन्हें एक वास्तविक जन्म प्रदान करता है। बस....

लोग कहते हैं, ''अच्छा प्रिय, मैं सोचता हूँ कि तुमने बहुत अधिक प्रार्थना कर ली।''

69 आप वहाँ पर तब तक बने रहें जब तक कि आप उड़ने के लिये तैयार न हो जायें। केवल वही बात है। परमेश्वर के पास कार्य को करने के लिये एक तरीका होता है।

70 "ओह, अच्छा, यदि तुम अच्छा होना चाहते हो, बस जाओ और एक कलीसिया में शामिल हो जाओ। मम्मी उसी कलीसिया में जाया करती थीं।"

71 वह बस एक ठीक बात है। परन्तु आप जानते हैं, जीवन को पाने के लिये मृत्यु की आवश्यकता होती है। और हमको मरना होता है, जब तक कि हम इतना अधिक मृत हो जायें कि नया जीवन आने पाये। तब फिर हमारे पंख कीमती होंगे; और हमारा–हमारा अनुभव जो कि हमें मिला है, दूसरों के लिये और अपने लिये कीमती होगा।

72 इस्राएल तैयार नही था। परन्तु परमेश्वर तैयार था। और उसने एक छोटे से बच्चे को जन्माया जिसका नाम मूसा था। और वह ठीक वहाँ पर बच्चों को बाहर निकालने के लिये चालीस वर्ष की अवस्था में था, परन्तु इस्राएल तैयार नही था। और चूंकि कि वे तैयार नही थे, उन्हें बीस वर्ष और अधिक परिश्रम करना पड़ा, या चालीस वर्ष और परिश्रम करना पड़ा। चालीस वर्षों तक और उन्होंने मिस्र में परिश्रम किया। यदि वे बस केवल तैयार हुये होते, वे चालीस वर्ष पहले ही बाहर आ गये होते।

73 परमेश्वर तैयार था, क्योंकि प्रतीज्ञा का समय नजदीक आ रहा था। परमेश्वर ने लोगो को तैयार करने के लिये, अपने वचन को पूरा करने के लिये पृथ्वी पर स्वर्गदूत को भेजा, क्योंकि परमेश्वर अपने वचन के प्रति हमेशा सच्चा बना रहता है। उसने मूसा से कहा, "मैं अपने लोगों की परेशानियों को देखा है, और मैंने उनके कराहने की आवाज सुनी है और उनके कठोर अधिकारीयों के चिल्लाने की आवाज सुनी है। और मुझे स्मरण आया है। मुझे अपना वचन, अपनी प्रतिज्ञा स्मरण आयी है।" चार सौ वर्ष बीत चुके थे, परन्तु परमेश्वर को अपना वचन अभी भी स्मरण था।

74 दो हजार वर्ष बीत चुके थे, परन्तु परमेश्वर को अपना वचन अभी भी स्मरण था। "मैं तुम्हें अपने पास ले जाने के लिये फिर से आऊँगा; ताकि जहाँ पर मैं हूँ, तुम भी वहाँ पर रहो।" और मैं विश्वास करता हूँ कि प्रतीज्ञा का समय नजदीक आ रहा है।

75 ध्यान दें। जब वह बोल रहा था और तैयार हो रहा था, और चार सौ वर्ष बीत चुके थे, और परमेश्वर अपने वचन के साथ समय पर था। तब फिर हमें यह पता चलता है..... चालीस वर्ष के बाद।

76 और मैं शायद यहाँ पर कुछ शब्द कहने के लिये रूकूं। अब आप मेरा हवाला दे सकते हैं, क्योंकि मैं जानता हूँ कि वहाँ पर पीछे यह टेप हो रहा है। मैं विश्वास करता हूँ कि हम हैं.... यीशु मसीह के आगमन का समय कब का हो चुका है। मेरा विश्वास है कि बहुत दिन पहले इसे हो जाना चाहिये था। परन्तु, यह कलीसिया के कारण है, कलीसिया उससे मिलने के लिये तैयार नही है।

77 अब यदि आप ध्यान दें, उसने कहा, ''जैसे कि नूह के दिनो में हुआ था, बाढ़ से पहले कैसे इसे होना चाहिये था। और परमेश्वर यह नही चाहता था कि कोई नाश हो, परन्तु सब कोई पश्चाताप कर लें, वह बहुत देर तक रूका रहा। बाढ़ आने का समय तो कब का हो चुका था। वहाँ मिस्र में उसका समय कब का हो चुका था। क्या आप समझे? अब बाढ़ से नाश होने के पहले; न्याय के द्वारा नाश होने का समय तो कब का हो चुका था। और मिस्र से बाहर आने के लिये; उसका समय तो कब का हो चुका था, चालीस वर्ष देरी से हुआ।

78 परन्तु परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था। परमेश्वर ने निश्चय कर लिया था कि उसका वचन उसके पास वापस नही आयेगा। उसको अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहना था। उसको परमेश्वर होने के लिये ऐसा करना था। यदि उसको सब बातों को बदलना था, और अनुग्रह के द्वारा वह उसको करेगा।

79 यही कारण है कि मैं कहता हूँ..... यदि कलीसिया अपने आप को तैयार नही करती है। यही आपका कर्तव्य है कि आप तैयार हों। ''दुल्हन ने अपने आप को तैयार कर लिया है।'' उसके वस्त्रों को दाम चुकाया जा चुका है। वे तैयार हैं, परन्तु आप को उनको पहनने के लिये तैयार होना है। ''कलीसिया ने अपने आप को तैयार कर लिया है।''

80 अब भाइयों, सुनें। यदि कलीसिया तैयार नही होती है, परमेश्वर इन पत्थरों से भी अब्राहम के लिये संतान उत्पन्न कर सकता है।'' यदि यह होलीनैस लोग अपने आप को ठीक नही करते हैं, और वापस नही जुड़ जाते हैं, सुसमाचार पर वापस नही आते हैं, परमेश्वर उठा खड़ा करेगा... वह कैथलिको को, प्रेसबेटेरियनों को या जिस किसी को वह चाहे ला सकता है। वह ऐसा करेगा।

81 आहायो, लीमा में कुछ सप्ताह पहले। आप में बहुत से लोग जो यहाँ पर बैठे हुये हैं, वहाँ पर उपस्थित थे। प्रेसबेटेरियनों में से, बैपटिस्टों और मेथोडिस्टों में से जो वेदी पर आये थे। उन्होंने सुसमाचार को ग्रहण किया और उनकी प्रतिक्रिया सुसमाचार के प्रति होलीनैस लोगों से कहीं ज्यादा, और उनसे कई गुना बहुत अच्छी थी। हमने बस उस बात को अपने दिमाग में रख लिया है कि हम उसके पवित्र नाम से जाने जाते हैं, और उस बात को ऐसे ही जाने देते हैं। उसके नाम से कहलाया जाना, उस बात का मतलब उससे कही अधिक है। उसका मतलब यह होता है कि आप उसके लिये जियें जिसने की आपके लिये जान दी है। यह एक जीवन होता है, परमेश्वर के प्रति समर्पित जीवन होता है। ओह, हमको बाईबिल पर वापस आने की कितनी आवश्यकता है!

82 यहाँ पर कुछ रात्रि पहले, मैं वहाँ पर एक सभा में लूथरनों से कह रहा था। अब उन्होंने अभी कहा है, ''हमें उस प्रकार के पाँच और लूथरन कालेज दे दें, वहाँ के इकत्तर लोगों ने वहाँ कालेज में पवित्र आत्मा पाया,'' जब मैं वहाँ पर था। कहा, ''हमें इस प्रकार के पाँच और विद्यालय दे दें, और यदि प्रभु दस वर्ष और रूका तो सम्पूर्ण लूथरन कलीसिया पवित्र आत्मा से भर जायेगी।'' ओह मेरे परमेश्वर! निश्चित रूप से।

83 परमेश्वर इन पत्थरों से भी कर सकता है! उसके पास एक कलीसिया होने जा रही है जो कि बिना दाग के, बिना झुर्री के, या बिना दोष के होगी। उसका अनुग्रह अपने आप में पूर्ण है, और वह बहुत कुछ कर सकता है, बहुतायत से कर सकता है।

84 और मैंने यहाँ पर बहुत अधिक समय पहले यह बात नही कही थी कि लूथरनो के पास में संसार के लिये टार्च रूपी उजियाला था। क्या हुआ था? यदि तुम लूथरन लोग पहले सुधारकाल में संसार के लिये एक समय में उजियाला थे, तुम्हारे उजियाले को क्या हुआ? वह क्यों बुझ गया? जिस कारण वह बुझ गया वह यह है कि तुमने परमेश्वर के वचन को छोड़ दिया। तुमने उस बात का विश्वास किया , ''धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा,'' जो कि बिलकुल सच बात है। परन्तु उस बात से भी ज्यादा कुछ और भी है, ''धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा।''

85 तब फिर मेथोडिस्ट आये। उन्होंने, तुम मेथोडिस्ट लोगो, तुमने उस पवित्रिकरण के टार्च रूपी उजियाले को लिया, और तुमने उस टार्च रूपी उजियाले को एक बड़ी बेदारी के लिये पकड़ा। वह सब सत्य है। परन्तु क्या हुआ, मेथोडिस्ट कलीसिया के साथ में क्या हुआ? वह इसलिये हुआ क्योंकि आपने उस उजियाले को बुझने दिया। यही वह बात है जो हुयी। और तुमने पवित्रीकरण, जो कि अनुग्रह का दूसरा निश्चित कार्य है, जो कि बाईबिल के द्वारा सकारात्मक सत्य है, परन्तु आप ने उस बात को ऐसे ही निकल जाने दिया।

86 और फिर पिन्तुकोस्तल वरदानो के लौटाये जाने के साथ आये। और आप ने अन्य–अन्य भाषा में बोलना आरंभ किया और आप ने उसमें से एक मत बना लिया। और फिर क्या हुआ? आपका उजियाला चला गया। क्या मामला है? यह इसलिये हुआ क्योंकि आप वचन के साथ बने रहने में असफल हो गये।

87 परमेश्वर के वचन को हम खोल रहे हैं, और जैसे जैसे परमेश्वर का वचन खुलता जाता है, हमें भी प्रगति करना चाहिये।

88 जैस जैसे समय आगे बढ़ता जाता है, विज्ञान भी आगे बढ़ता जाता है। और यदि स्वाभाविक संसार... यह मनुष्य वही है जो कि छः हजार वर्षों पहले था, जबकि परमेश्वर ने उसे बनाया था। वह वही बुद्धिजीव है। वह वही बुद्धि है। वह वही व्यक्ति है जिसके पास पाँच

चेतनायें हैं, जैसा कि वह हजारो वर्ष पहले था। परन्तु देखिये कि उसने इन पचास वर्षों में कितनी प्रगति की है। देखिये कि परमेश्वर के गिरे हुये पुत्र ने क्या किया है। उसने गाड़ियों का और रेडियो का और बिजली की लाईटों का, और परमाणु बम का और जेट विमानो का आविष्कार किया है। देखिये कि कितनी जल्दी यह किया है। विज्ञान के पृष्ठ बहुत जल्दी–जल्दी पलट रहे हैं।

89 परन्तु हम किसी पुराने कलीसिया के मत पर ही ठहर गये हैं, और वहाँ पर खड़े हुये हैं, जबकि परमेश्वर हमसे चाहता है कि हम परमेश्वर के वचन का खुलासा करें। हम अंत के दिनो में रह रहे हैं। हम उन दिनो में रह रहे हैं जबकि परमेश्वर की महान सुन्दर कलीसिया को अपने पैरों पर खड़े होना चाहिये, उसे घाटी के सोसन की तरह चमकना चाहिये।

90 परन्तु हम उसी बात पर वापस आ रहे हैं, ''अच्छा, मैं तो प्रेसबेटेरियन से, मेथोडिस्ट से, पिन्तेकोस्तल से सम्बन्ध रखता हूँ। मैं तो वह और यह हूँ।'' ओह, यह कितने शर्म की बात है!

91 हमें खुलना चाहिये; परमेश्वर की आत्मा उड़ेली जा रही है। एक छोटा सी धार नही, एक छोटा सा बपतिस्मा नही; परन्तु बपतिस्मे के बाद बपतिस्मा! एक प्रकाशन नही, ''धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा,'' या ''पवित्रीकरण,'' या ''आत्मा के वरदान।'' परन्तु प्रकाशन के बाद प्रकाशन, सामर्थ के बाद सामर्थ, महिमा के बाद महिमा! क्यों, हमें सड़क पर ऊपर की ओर चलना चहिये, स्वर्गारोहण के लिये तैयार होना चहिये। और हम पुरानी बातो में समय नष्ट कर रहे हैं, और कह रहे हैं, ''अच्छा?'' हम निरन्तर वापस जा रहे हैं। आइये, आगे बड़ें!

92 उन इब्रीयों ने कहा, ''अब यहाँ पर हमें अच्छा भोजन मिलता है, हालांकि हम कठिन परिश्रम करते हैं। और अब हमारे पास वह चीजें हैं जो कि हमारे पास में हैं, हमारे पास लहसुन के घड़े हैं, और ऐसी ही चीजें हैं, तो आओ हम संतुष्ट हो जायें।''

93 परन्तु मूसा के पास में एक प्रकाशन था। वह परमेश्वर की उपस्थिति में रहा था। उसके पास में कुछ और था। वह पीछे जाता है और उन्हें यह दिखाता है कि वही परमेश्वर जो कि हजार वर्षों से आस्तित्व में है, यह वही परमेश्वर है। और उसने उनके सामने चिन्ह और चमत्कार किये, यह सिद्ध करने के लिये कि यह ठीक वही परमेश्वर है।

94 ओह, उसका नाम आशीषित हो! ''वह कल, आज और सर्वदा एक सा है।'' विधान बदल जाते हैं, समय बदल जाते हैं, लोग बदल जाते हैं। परन्तु परमेश्वर बना रहता है। वह हर एक समय एक सा ही बना रहता है। उसका वचन अनन्त सत्य है। वह उससे दायें या बायें हट नही सकता है। उसे एक सा ही बने रहना होता है।

95 तब फिर हमने यह पता लगाया कि क्या घटित हुआ। यहाँ पर मूसा चिन्हों के साथ में आता है। ''मैं परमेश्वर की उपस्थिति में रहा हूँ। मैंने परमेश्वर को देखा है, और परमेश्वर ने महान बातों को किया है।'' उसने दिव्य चंगाई का कार्य किया है। उसने एक और कार्य किया जो कि आश्चर्यकर्म था। और उसने उन्हें यह दिखाया कि स्वर्ग का वही परमेश्वर उनको प्रगट हुआ है। सौ–सौ वर्षों तक अलौकिक कार्य किये जाने के बाद, उसने यह दिखाया कि परमेश्वर अभी भी जीवता है।

96 और परमेश्वर ने उसे भेजा और कहा, ''जाकर बताओ कि **मैं हूँ** ने तुमको भेजा है।'' ''मैं था'' नही या ''मैं होऊँगा''। ''**मैं हूँ**'', वर्तमानकाल! वह ''मैं था'' नही है।

97 कैसे लोग परमेश्वर का दावा कर सकते हैं और कहते हैं, ''आश्चर्यकर्मो के दिन बीत गये, और दिव्य चंगाई और सारी आशीषें चली गयी हैं,'' और फिर भी कहते हैं, ''वह जीवता परमेश्वर है और ''**मैं हूँ**'' है? यदि वह ''**मैं हूँ**'' है, वह उतना ही वास्तविक है जितना कि जलती हुयी झाड़ी में था।

98 वह नाम जिसमें कि वह वहाँ पर प्रगट हुआ था, कोई भी विद्वान

ऐसा नही हुआ जो कि उसका अनुवाद कर सके, j-v-h-u.कोई नही हुआ वे उसे ''यहोवा'' कहते हैं परन्तु ऐसा नही है। कोई भी उसका अनुवाद नही कर पाया।

99 क्यों? वह अनंत परमेश्वर है। आमीन। (भाई ब्रन्हम अपने हाथ से एक बार ताली बजाते हैं–सम्पा) वह उजियाले में वास करता है। वह अनंतता में वास करता है। वह अविनाशिता में वास करता है; वह हमेशा हमेशा के लिये''**मैं हूँ**'' है। हालेलूइया!

100 मेरा विश्वास उस ठोस चट्टान पर बना हुआ है। कुछ भी चीज आप को नुकसान नही पहुंचा सकती है जब आप का लंगर उस स्थान में पड़ा होता है। तूफान आकर उसे हिला सकते हैं और उसे झंझोड़ सकते हैं, परन्तु मेरा लंगर उस परदे के अन्दर पड़ा हुआ है। जब एक पुरूष या स्त्री का लंगर पड़ चुका होता है और वे उस बात को ग्रहण कर लेते हैं, कोई भी बात आप को वहाँ से हिला नही सकती है।

101 जैसे कि उनका छुटकारे का समय आ गया था और वे उसे देखने में चूक गये, इसी तरह से कलीसिया के लिये छुटकारे का समय आ चुका है, उसके चलने के आदेश आ चुके हैं। वह नजदीक है।

102 मेरे मित्र, देखिये। उनके पास क्या था? पहले वचन था। दूसरा एक भविष्यद्वक्ता था। तीसरा, एक स्वर्गदूत उनकी अगुवाई और मार्गदर्शन करने के लिये था। हर एक, दूसरे के साथ में सहमत था; वे तीनो एक सहमति में थे। वचन भविष्यद्वक्ता के साथ सहमति में था; और भविष्यद्वक्ता वचन के साथ सहमति में था; स्वर्गदूत उन तीनो के साथ सहमति में था, सब के साथ सहमति में था। वचन; भविष्यद्वक्ता; स्वर्गदूत! वे कूच करने के लिये तैयार थे।

103 ओह, प्रभु परमेश्वर का नाम आशीषित हो! (भाई ब्रन्हम अपने हाथ से एक बार ताली बजाते हैं–सम्पा) हम अन्त समय पर हैं; वचन भविष्यद्वक्ता और स्वर्गदूत, तीनो एक साथ एक महान गवाही दे रहे थे।

परमेश्वर ने हमेशा कहा है, ''दो या तीन गवाहों के मुँह से हर एक बात ठहराई जायेगी।''और एक सच्चा भविष्यद्वक्ता हमेशा वचन के साथ में सहमत होगा; और कोई भी स्वर्गदूत हमेशा सत्य की गवाही देगा। आमीन। हम कूच करने के आदेश के लिये तैयार हैं। निश्चित रूप से।

104 और वह लोगो को बाहर निकालकर लाया। जब में अपने मार्ग पर थे, वे भविष्यद्वक्ता के विरूद्ध और स्वर्गदूत के विरूद्ध और परमेश्वर के विरूद्ध और वचन के विरूद्ध बलवा करने लगे। और वे परेशानी में पड़ पड़ गये। बाईबिल कहती है, ''उनके साथ में एक मिलीजुली भीड़ थी जो बाहर आयी थी।'' एक मिली जुली भीड़ बाहर आयी थी।

105 यह क्या था? अलौकिक को किया जा चुका था। आश्चर्यकर्म और अद्‌भुत कार्य किये जा चुके थे। कोई भी व्यक्ति, कोई भी मनुष्य जो कि परदे के पीछे देखने की लालसा रखता है और यह देखना चाहता है कि वह कहां से आया है और एक दिन कहां जायेगा। वह परदे के पीछे देखने की लालसा रखता है। परन्तु बहुत सी बार जब अलौकिक कार्य किये जाते हैं, एक मिली जुली भीड़ होती है जो कि जाती है।

106 यही लूथर के दिनो में हुआ था। जब मिली जुली... परमेश्वर उन्हें उस दिन से बाहर निकालने का प्रयास कर रहा है। और लूथर के दिनो में, ''धर्मी जन विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा।'' उन्होंने उसे परखा, और प्रयत्न किये और ऐसा ही पाया। मिली जुली भीड़ गयी। और जैसे ही लूथर गया तो क्या हुआ? उन्होंने कलीसिया को संघठित कर लिया और एक बहुत बड़ा पुरोहित तंत्र बना लिया। और जब उन्होंने यह किया तो कलीसिया को वापस ताक पर रख दिया गया।

107 जान वेसली आया, वह मध्य युगों का एक बहुत महान योद्धा था। और वह ठीक बाहर आया और ऐंगलिकन कलीसिया का विरोध किया और कैथलिक कलीसिया का विरोध किया और संसार का विरोध किया, कि, ''पवित्र परमेश्वर ने कहा है, 'लोगो को पवित्र जीवन जीना चाहिये!''' और वह परमेश्वर की प्रतीज्ञा पर बना रहा, और वह

आश्चर्यकर्म लेकर आया। क्या हुआ था? मिली जुली भीड़ उसके साथ आरंभ हुयी। और जब वेसली गया तो उसके साथ में मिली जुली भीड़ आयी। और उस बात ने क्या किया? उनकी कलीसिया को भ्रष्ट कर दिया, यहाँ तक कि वे इतने भ्रष्ट हो गये कि उनमें से बहुतेरो ने अपनी गानो की पुस्तकों में ''लहु'' के गाने नही रखना चाहे। निश्चित रूप से ऐसा ही था।

108 अच्छा, उसके बाद में पिन्तेकोस्तल आये, और पिन्तेकोस्तलों को वरदान प्राप्त होने लगे। जैसे ही उनको वरदान प्राप्त हुये, पहली बात. ... सारे वरदानो में से सबसे छोटा वरदान ''अन्य–अन्य भाषा में बोला जाना है।'' वही अंतिम और सबसे छोटा वरदान है। परमेश्वर ने अप्रवीण बातों से आरंभ किया और वे उस बात को थाम तक न पाये।

109 यहाँ पर देखिये। पहला वरदान, वरदानों की पंक्ति में बुद्धि का वरदान है; दूसरा ज्ञान है। और यदि आपके पास बुद्धि नही है, आप यह कैसे जान पायेंगे कि ज्ञान के साथ में क्या करना है? सबसे अच्छी बातों की पहले खोज करो, वह है बुद्धि। और यदि आपके पास बुद्धि नही है, आप ज्ञान, या अन्य–अन्य भाषा में बोलना, या इन दूसरी बातों के साथ में क्या कर सकते हैं? इसको करने के लिये बुद्धि की आवश्यकता होती है। इसको करने के लिये परमेश्वर की बुद्धि की आवश्यकता है। सुलेमान ने कहा, ''उसे अपनी माता बोलो।'' यह ठीक बात है।

110 परन्तु उन्होंने क्या किया? पिन्तेकोस्तलो ने अन्य–अन्य भाषा को ग्रहण किया, और उससे उन्होंने एक नामधारी गिरजा बना लिया। और वे गये, कहा, ''यही वह बात है।'' निश्चित रूप से उन्होंने किया। और मिली जुली भीड़ उनके साथ में गयी।

111 और आज, पिन्तेकोस्तलों के साथ क्या हुआ? उनके दो भाग हैं। एक बस ठंडा और औपचारिक और शुष्क है, जितना की वे हो सकते हैं। और दूसरा वाला वादों का एक बहुत बड़ा झुण्ड है; हाथों में से तेल और लहु निकल रहा है, और हर प्रकार की बातें सारे देश भर में होती हैं, और

वे इसे पवित्र आत्मा का प्रमाण कहते हैं; और मेढक और छिपकली और वे चीजें लोगों में बाहर आती हैं, और फिर वे इनको शराब में लगाते हैं और इत्यादि। कोई भी यह जानता है कि शैतान की भौतिक देह नही है।

112 और यीशु मसीह का लहु एक व्यक्ति पर टपका, वह उसकी भौतिक देह थी, कि मसीह पहले ही आ चुका है; और तब फिर यह बात गलत है।

113 बाईबिल कहती है कि जब यीशु आयेगा तब, "हर एक घुटना झुकेगा, और हर एक जीभ अंगीकार करेगी।" वह होगा.. उसका आगमन ऐसा होगा जैसे कि बिजली पूर्व से पश्चिम तक चमकती है, ऐसे ही मनुष्य के पुत्र का आगमन होगा। हर एक घुटना झुकेगा, और हर एक जीभ अंगीकार करेगी।" हम जानते हैं कि यह सच बात है।

114 तब फिर जब हम इन बातों को होता हुआ देखेंगे, जब हम उन बातों को होता हुआ देखेंगे, तब हम जानेंगे कि एक मिली जुली भीड़ है जो कि लोगो के साथ में गयी है। कुछ देर के बाद एक दल एक ओर हो जायेगा, और दूसरा एक ओर हो जायेगा। और यहाँ पर आपकी मिली जुली भीड़ है। यहाँ पर फिर से हमारी प्रतिक्रिया होगी। वहाँ पर आप आयेंगे।

115 और जब ऐसा हुआ, वे एक ऐसे स्थान पर आये जिसका नाम कादेश–बर्निया था। और जब वे कादेश–बर्निया पर आये, वो न्याय का स्थान था जहाँ पर परीक्षा होनी थी।

116 ओह छोटी कलीसिया, यदि तू बस इस बात को समझ पाती! अब यह वह स्थान है जहाँ पर आप एक क्षण के लिये जोर देंगे। अब ध्यान से सुने। कादेश–बर्निया परीक्षा का समय था। और हर एक पुत्र जो कि परमेश्वर के पास आता है, उसकी परीक्षा होती है। इस बात से कोई भी नही छूटता। जो कोई परमेश्वर के पास में आता है, परमेश्वर उसकी परीक्षा लेता है, उसे परखता है। क्या यह एक ठीक बात है?

(सभा कहती है, ''आमीन''– सम्पा.) बाईबिल कहती है कि ऐसा होता है। और हम यह देखते हैं कि जब वे परीक्षायें आती हैं, परखने का समय आता है।

117 राष्ट्रों के लिये परखने का समय आता है। अब मैं इस बात को कहता हूँ, मैं राजनितिज्ञ नही हूँ। परमेश्वर अपने राष्ट्र को चलाता है। वह इन राष्ट्रों को नही चलाता है; शैतान इनको चलाता है। उनमें से हर एक को चलाता है, बाईबिल कहती है कि वे ऐसा करते हैं। शैतान हर एक राष्ट्र को चलाता है। ध्यान दें कि जब राष्ट्रों के लिये परखने का समय आता है।

118 जब इस्राएल के लिये परखने का समय आया, वह असफल हो गया। और जब उसने ऐसा किया, परमेश्वर ने उसे बाबुल के हाथों में कर दिया। एक राष्ट्र के रूप में वह असफल हो गया।

और जब रोम के लिये परखने का समय आया, वह असफल हो गया।

और जब ग्रीस के लिये परखने का समय आया, वह असफल हो गया।

और जब फ्रांस के लिये परखने का समय आया, वह असफल हो गया।

और जब रूस के लिये परखने का समय आया, वह असफल हो गया।

119 सुनिये। और मैं यह बात बड़े ही आदरयुक्त हृदय के साथ परमेश्वर के सामने कहता हूँ। और अमेरिका के लिये परखने का समय आया, वह असफल हो गया। सुसमाचार का प्रचार पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक हो चुका है। उन्होंने हर एक छोटी जगह को, हर एक कोने और दरार को छान डाला है। बड़ी बेदारीयाँ बिली ग्राहम और जैक शुल्ज और ओरल रौबर्ट के द्वारा हुयी हैं। और ओह, उन्होंने बस सौ–सौ की संख्या में हर एक कोने और हर एक दरार को छान डाला है। शैतान

ने उनके सामने टेलीवीजन को लाया, और परमेश्वर उसके बदले में लोगो को टेलीवीजन पर ले आया; और हर एक शराबखाने का शराबी या वो जहाँ कहीं भी हो, वो बिना किसी बहाने के खड़ा होगा। जी हाँ श्रीमान। परखने का समय आ गया है। आपको मैंने पिछले वर्ष मंच पर से क्या कहा था? ''अमेरिका ने एक घातक गलती कर दी।'' मैंने कहा, ''घातक भूल!'' उसने निश्चित रूप से ऐसा किया।

120 और देखिये कि वह अब क्या कर रहा है। आप इस बान को सरकार के कार्यकलापों में देखते हैं। वे जा रहे हैं और अरबों के साथ में जुड़ रहे हैं। क्या आप नही जानते हैं? परमेश्वर के वचन ने कहा है, ''जो कोई इस्राएल को श्राप देगा, वह स्वयं श्रापित होगा।'' निश्चित रूप से।

121 मैं इस्राएल के साथ में खड़ा हुआ हूँ। ''हमारी जमीन को लो।'' वे उसे ले लेंगे। निश्चित रूप से।

122 वे गलत बातों को कर रहे हैं। निश्चित रूप से वे ऐसा कर रहे हैं, भाई, उस हर एक राष्ट्र को देखें जो कि यहूदी के विरोध में हुआ, वे डूब गये। जर्मनी को देखिये जब वह यहूदियों के विरोध में हुआ, और उन्होंने उनकी लोथों को भस्मकों में जला दिया; और देखिये कि आज क्या बात है। इटली को देखिये, जो कि यहूदीयों के विरोध में हुआ जब मुसलोनी ने उन्हें इटली से बाहर निकाल दिया था; उसे आज देखें। यदि हम उन्हें पोषित नही कर रहे होते, वे भूख के मारे मर गये होते।

123 और यहाँ पर सुसमाचार आया है और उसने राष्ट्रों में वर्षों तक करूणा के लिये पुकार लगाई है, और हमने उसे ठुकरा दिया। और अब एक कार्य हो रहा है, शैतान अपना सिहांसन ले रहा है, वो राजनीति के इन लोगों का हृदय इस्राएल के विरूद्ध कर रहा है, और वे अरब के साथ मेल कर रहे हैं। भाई, जा चुके हैं। हम डूबेंगे, यह बात इतनी निश्चित है जितना कि संसार का होना।

124 मैं अपने राष्ट्र से प्रेम करता हूँ। मैं उस बात से प्रेम करता हूँ जिसके लिये वह खड़ा हुआ है। परन्तु भाई, मैं उन सब बातों से ऊपर अपने प्रभु से प्रेम करता हूँ। और मुझे यह देखने में खुशी होगी कि मेरा राष्ट्र घुटनो पर आ जाये, परन्तु मुझे डर है कि हम ऐसा कभी नही करेंगे। हम समय के अन्त पर हैं। क्या हुआ है? मिली जुली भीड़ अन्दर आ गयी है।

125 हमारी कलीसियाओं को देखिये, कुछ वर्ष पहले जब वे पुराने फैशने की होलीनैस कलीसियायें हुआ करती थीं, जब वे परमेश्वर के लिये और धार्मिकता के लिये खड़े रहते थे, जब कि स्त्रियां वस्त्र पहनती थीं और महिलाओं की तरह से व्यवहार करती थीं, जबकि पुरूष वस्त्र पहनते थे और पुरूषों की तरह से व्यवहार करते थे, जब लोग रविवार प्रातः गिरजे जाया करते थे, जब उनकी सारी रात्रि प्रार्थना सभायें हुआ करती थीं, जबकि उनके पास पुराने फैशन की तरह लोग थे। उनकी वास्तविक बेदारी हुआ करती थी। परमेश्वर उनको आशीषित करता था। वह उनके सामने उनके शत्रुओं को काट डालता था। वे यात्रा कर रहे थे। परन्तु जब आकान की ईंट छावनी में पहुंची, तब विनाश के अलावा और कुछ भी बाकी न रह गया था। परमेश्वर, हम अपने वचन पर हैं... अपने मार्ग पर हैं। परमेश्वर अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहता है।

126 परीक्षा का समय आया। लूथरन कलीसिया के लिये परीक्षा का समय आया। मेथोडिस्ट कलीसिया के लिये परीक्षा का समय आया। पिन्तेकोस्तल कलीसिया के लिये परीक्षा का समय आया। हर एक कलीसिया के लिये यह आता है। यह हर एक व्यक्ति के लिये आता है। परीक्षा का समय आता है।

127 और केवल एक ही तरीका है जिससे कि आप यह जान सकते हैं कि आप सही हैंः परमेश्वर की अनन्त अंतिम रूपरेखा के साथ में बने रहें। वचन के साथ में बने रहें। जो भी परमेश्वर कहता है, कहें, ''यह ठीक बात है।'' उससे कुछ कम या ज्यादा ग्रहण न करें। हमें इस बात के लिये, उस बात के लिये या किसी और बात के लिये विकल्प लेने की

आवश्यकता क्यों है, जबकि परमेश्वर का वचन प्रतिज्ञाओं से भरा है? जी हाँ श्रीमान। हमें कोई विकल्प लेने की आवश्यकता नही है। यह एक सच बात है। परमेश्वर अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहता है। इससे कोई फर्क नही पड़ता है कि यह कितना मूर्खतापूर्ण लगता है। परमेश्वर हर एक स्थिति में अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहता है। उसने निश्चित रूप से ऐसा ही किया।

128 आपके दादा ने क्या कहा होता यदि आपके परदादा ने उन्हें बताया होता कि एक ऐसा समय आने वाला है जब गाड़ियां सड़कों पर बिना घोड़े के चलेंगी? हो सकता है कि उन्होंने उनके ऊपर हंसा हो। परन्तु वे यहां पर हैं। यह ठीक बात है।

129 उन दूसरी बातों के विषय में क्या जो कि घटित होने वाली हैं, जब यह सारी महान भविष्यवाणीयां की गयीं? परन्तु हम यहां पर हैं।

130 और किसी दिन यीशु, परमेश्वर के पुत्र का महिमायुक्त प्रतापी व्यक्ति आयेगा। उसने यह प्रतिज्ञा की है कि वह ऐसा करेगा। उसने यह प्रतिज्ञा की है कि वह पाप का न्याय करेगा। (भाई ब्रन्हम अपने हाथों से दो बार ताली बजाते हैं–सम्पा.) भाई, या ता आप परमेश्वर के द्वारा प्रदान की गयी पापबलि को ग्रहण करेंगे, अन्यथा आप को अकेले न्याय में खड़ा होना पड़ेगा; राष्ट्र हो, कलीसिया हो या व्यक्ति हो। परीक्षा का समय!

131 देखें, उन्होंने किसी को, बारह व्यक्तियों को यह पता लगाने के लिये बाहर भेजा कि वे क्या कहते हैं। दस उनमें से वापस आये, कहा, "ओह, हम उसे नही कर सकते हैं! यह असंभव है। हम बस इसे नही कर सकते हैं।"

132 परन्तु छोटे से कालेब और यहोशू, एक पेड़ की ठूंठ पर चड़ गये, उन्होंने कहा, "हम इसे कर सकते हैं। हम इसे करने के लिये सामर्थी हैं।"

133 क्यों? यह उस बात पर निर्भर है कि आप किसे देख रहे हैं। यदि आप बाहर की ओर देख रहे हैं, "क्या यह उस तरह से दिखता है? क्या यह दिखता है..." उस बात को मत देखिये जो कि लोग कहते हैं, या जो कोई और कहता है। यदि वह बात परमेश्वर के वचन के विरोध में हैं, आप वचन के साथ में बने रहें।

134 परमेश्वर ने उनसे उस जमीन की प्रतीज्ञा की थी। यही वह बात थी जिस पर कालेब और वे लोग आशा लगा रहे थे।

135 व्यवस्थाविवरण की पुस्तक को पढ़े, देखें कि कैसे मूसा ने उन्हें ठीक किया था। कहा, "मैंने यह किया है, और मैंने वह किया है। और परमेश्वर ने यह किया है, और यह कहा है। परन्तु तुमने ऐसा नही किया।" परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा के साथ में बना रहता है।

136 ओह, कभी–कभी यह प्रतीत होता है कि यह कठिन है। अब मैं चाहता हूँ कि इस बात को सुनें। यह कठिन बात है.... यह युद्ध है।

137 मिस्र में परमेश्वर ने कहा, "मैं तुम्हें वह जमीन और जो भी कुछ उसमें है दे दिया है।" अब, उसने बस यह नही कहा, "मैं तुम्हें उठा कर वहां ले जाऊँगा और तुम्हें वहां पर रख दूंगा।" उनको हर एक इन्च जमीन के लिये युद्ध करना पड़ा।

138 परमेश्वर ने, जब उसने यहोशू को वहां पर आज्ञा दी, उसने कहा, "हियाव बान्धकर दृढ़ हो जा; भय न खा, और तेरा मन कच्चा न हो; क्योंकि जहां जहां तू जाएगा वहां वहां तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे संग रहेगा।"(भाई ब्रन्हम मंच पर दो बार खटखटाते हैं–सम्पा.)

139 "जहां जहां तू जाएगा तेरा परमेश्वर यहोवा तेरे संग रहेगा।" इससे कोई फर्क नही पड़ता है यह कितना कठिन है, कि अवरोध कितना बड़ा है, इससे कोई फर्क नही पड़ता है। यदि यह मृत्यु की वादीयों में से भी जाना हो, "जहां जहां तू जाएगा वहां वहां तेरा परमेश्वर यहोवा

तेरे संग रहेगा।''

140 ओह, यहोशू ने इस्राएल को कैसे एक साथ बुलाया होगा और कहा होगा, ''यहाँ पर खड़े रहो और परमेश्वर की महिमा को देखो।'' परमेश्वर अपने वचन के साथ में होता है। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी। परमेश्वर ने यहोशू से कहा, ''जहाँ जहाँ तू कदम रखेगा, वह जमीन तेरी हो जायेगी। मैं उसे तुझे दे दूंगा। (भाई ब्रन्हम मंच पर तीन बार खटखटाते हैं–सम्पा.) आमीन।

141 यदि यह उद्धार के लिये है, यदि यह दिव्य चंगाई के लिये है, यदि यह और आशीषों के लिये है, यदि यह है.....?..... यदि यह किसी बात के लिये है जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने की है, पगचिन्ह बनायें!आमीन। ''जहाँ कहीं भी तेरे पैरों के तलवे जायेंगे, तू उस जगह का अधिकारी होगा।''परमेश्वर ने इस बात की प्रतीज्ञा करी है। परमेश्वर अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहता है। परमेश्वर का वचन हमेशा हमेशा के लिये सत्य है। मैं उसपर विश्वास करता हूँ। आप उसपर विश्वास करते हैं। भाईयों, यह समय है कि हम पगचिन्ह बनायें। हम उसी छावनी में इस स्थान पर नही रह सकते हैं। अग्नि आगे बड़ रही है। आइये हम महिमा से महिमा तक, बाईबिल अनुभव से बाईबिल अनुभव तक आगे बड़ें। आइये हम अपने हृदयों को खोलें, और परमेश्वर की ओर अपने हाथों को उठायें। सन्तुलित बने रहें; बाईबिल में बने रहें। उससे बाहर न निकलें। ठीक वहीं पर बने रहें।

142 अनुकरण करें! हमारे पास परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता है; हमारे पास परमेश्वर का वचन है; और हमारे पास परमेश्वर का दूत है। वह कलीसिया की अगुवाई ठीक उसी तरह से कर रहा है जैसे कि उसने उन दिनो में की थी। यह बिलकुल ठीक बात है। परमेश्वर का वचन हमारे सामने है; परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता पवित्र आत्मा है; परमेश्वर का दूत कलीसिया की अगुवाई कर रहा है। हम आग के स्तंभ में, परमेश्वर की महिमा में चल रहे हैं, ''मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में एक साथ बैठे हुये हैं।'' ''अब हम परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां हैं।'' और वचन के

महान प्रकाशन को पवित्र आत्मा हमारे हृदयों में बसा रहा है, और उद्धार के, धार्मिक जीवन, प्रेम, आनन्द, शान्ति, धीरज, भलाई,नम्रता और धैर्य के वृक्षों को लेकर आ रहा है। निश्चित रूप से वह लेकर आ रहा है!

143 यह बस ब्रन्हम आराधनालय को या किसी दूसरे आराधनालय को नही होगा। यह व्यक्तिगत रूप से होता है। यदि संपूर्ण ब्रन्हम आराधनालय एक चित में हो जाये, तो सम्पूर्ण चीज परमेश्वर की एक महान इकाई के रूप में चलने लगेगी। परन्तु यदि ब्रन्हम आराधनालय में केवल एक ही उस प्रकार से चलने लगेगा, परमेश्वर उसी एक व्यक्ति में चलने लगेगा।

144 और उसे करने का एक ही तरीका है कि उसके साथ में एक पंक्ति में हो जायें, और आगे कूच करते रहें। परमेश्वर का नाम आशीषित हो! (भाई ब्रन्हम अपने हाथों से एक बार और ताली बजाते हैं–सम्पा) परमेश्वर अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहता है।

145 क्यों उन लोगो ने का, "हम ऐसा नही कर सकते हैं। हमारी वहाँ पर बेदारी नही हो सकती है। सब कुछ हमारे विरोध में है। ओह मेरे परमेश्वर! अमोरी वहाँ पर हैं, और हित्ती वहाँ पर हैं और सभी वहाँ पर हैं। वे वहाँ पर दिवाल की तरह खड़े हैं। और हम टिड्डीयों की तरह लगते हैं।"

146 परन्तु वह छोटा सा बूढ़ा यहोशू, जो कि चालीस वर्ष का था, अपने सीने पर अपने आप को मार रहा था। और कालेब कह रहा था, कालेब वहाँ पर खड़ा हुआ था और कह रहा था। कालेब ने कहा, "तुम जानते हो कि क्या बात है? हम उसे ले लेने से भी अधिक सामर्थी हैं!" (भाई ब्रन्हम मंच पर दो बार खटखटाते हैं–सम्पा) ओह भाई! छोटा सा, नूकीली नाक वाला यहूदी वहाँ पर खड़ा हुआ था, ऊपर नीचे कूद रहा था और कह रहा था, "हम में ऐसा करने की शक्ति है! हम केवल ऐसा करने योग्य ही नही हैं, हम उससे भी ज्यादा हैं!" क्यों? परमेश्वर ने ऐसा कहा है! (भाई ब्रन्हम अपने हाथों से दो बार ताली बजाते हैं–सम्पा.)

इससे मामला वहीं पर समाप्त हो जाता है।

147 भाई, हम चंगाई को प्राप्त कर सकते हैं। हमारे पास आश्चर्यकर्म हो सकते हैं। हमारे पास बेदारी हो सकती है। हमारे पास आशीषें आ सकती हैं। क्यों परमेश्वर ने ऐसा कहा है! हमारे पास सच्चा पिन्तेकुस्त हो सकता है। हमारे पास वास्तविक बेदारी हो सकती है। परमेश्वर ने ऐसा कहा है! परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञाओं के प्रति सच्चा बना रहता है।

148 ठीक जैसे कि परमेश्वर अपनी आशीषों की प्रतिज्ञाओं के प्रति सच्चा बना रहता है, परमेश्वा अपने न्याय की प्रतिज्ञाओं के प्रति सच्चा बना रहता है। हमें या तो आशीषें लेनी होती हैं या परमेश्वर का न्याय लेना होता है। हमें या तो आगे बड़ना होता है या तो पीछे बड़ना होता है। हमें या तो उसके साथ चलना होता है या तो अकेले चलना होता है। उसके वचन के साथ में बने रहें।

149 मैं अपने एक बहुत अच्छे मित्र के विषय में सोच सकता हूँ जो कि महिमा में चला गया; ओह, वह एक आशीषित बूढ़ा व्यक्ति था, एक संत व्यक्ति था जो कि पवित्र आत्मा से भरा हुआ था, जिसका नाम था पॉल रैडार। एक बार पश्चिमी तट पर, इससे पहले की उसकी मृत्यु हुयी, आप उसकी गवाही को जानते हैं। वह गीत जो कि उसने लिखा, केवल विश्वास करो, जो कि मुझे मंच पर लेकर आया। मुझे आश्चर्य होता कि यदि पॉल महिमा में हजारों और हजारों लोगों को यह गाना विभिन्न भाषाओं में गाते हुये सुनते होंगे। वह इस बात को कैसे जानता था कि वह बेचारा छोटा सा लड़का जो कि उसके सामने वहाँ पर फटे हुये जूतों के साथ में, बिना टाई के, और जिसको कि बाल कटवाने की आवश्यकता थी, बैठा हुआ था, कि परमेश्वर मुझे उस गाने को संसार में चारों ओर ले जाने देगा! परमेश्वर अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहता है।

150 ''मैंने, प्रभु ने उसे बोया है; मैं उसे दिन और रात पानी दूंगा,'' उसने कहा, ''कहीं ऐसा न हो कि कोई उसको मेरे हाथ से छीन ले।''

151 वह ऐसा लगे जैसे कि वह डूब रहा हो, परन्तु वह कभी न डूबेगा। ओह, उस रात्रि वह पुरानी छोटी सा नाव , जब सारी आशायें समाप्त हो गयीं थीं, और वह हिचकोले खा रही थी, ऐसा दिखता था कि अंतिम घड़ी आ पहुँची थी। परन्तु एकदम से, कोई पानी पर चलता हुआ आया, बस उतनी ही शान्ति के साथ। वह हमेशा रहता है। वह कभी देरी नही करता। एक ओर हिचकोला और नाव नीचे चली जाती। परन्तु वह हमेशा उपस्थित रहता है। निश्चित रूप से।

152 उस दिन बाबुल में, जब इब्री बच्चे धधकती आग में चलकर जा रहे थे, ऐसा दिखता था कि उनका अंत आ चुका था। परन्तु जैसे ही उन्होंने अन्दर कदम रखा, "वहाँ पर एक था जो कि परमेश्वर के पुत्र सरीखा था," वह उनके साथ में खड़ा हुआ था। वह हमेशा उपस्थित रहता है। वह कभी देरी नही करता है। वह अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहता है। "मैं तुम्हारे साथ में रहूंगा।"

153 "जब मैं मौत की वादीयों में से होकर जाऊँ, तौभी मुझे हानि से कोई डर न होगा, " दाऊद ने ऐसा कहा है। वह हमेशा उपस्थित रहता है।

154 वह अपनी प्रतिज्ञा के प्रति सच्चा बना रहता है। वह अनन्त सत्य है। वह असफल नही हो सकता है। उसके वचन कभी भी असफल नही हो सकते हैं। "स्वर्ग और पृथ्वी टल जायेंगे, परन्तु मेरे वचन कभी भी असफल नही होंगे।"

155 पॉल ने एक बार कहा था, जब वह संघर्ष कर रहा था। वह बाहर टापू पर था और उसे बुखार था। वह डाक्टर से लगभग सौ मील दूरी पर था। वहाँ दलदल में, दलदल के काले पानी का बुखार उसको लग गया था; और उससे आकस्मिक मृत्यु हो जाती है। और अंधेरा हो गया। और उसने अपनी छोटी बफादार पत्नी से कहा, "प्रिय, तुम ठीक मेरे पास खड़े रहो और प्रार्थना करो। यहाँ कमरे में इतना अंधेरा हो रहा है परन्तु," कहा, "मैं परमेश्वर पर विश्वास कर रहा हूँ। और मैं इस बात की परवाह

नही करता हूँ कि क्या होता है। मैं परमेश्वर पर भरोसा रखता हूँ। मैं ठीक उसके साथ में बना रहूंगा।'' कहा, ''प्रिय, तुम ठीक यहाँ पर रहो और प्रार्थना करो।'' और उसने प्रार्थना की। और भी अंधेरा हो गया, कहा, ''प्रिय, कमरे में और अंधेरा हो रहा है। परन्तु ओह, मुझे शान्ति की अनुभूति हो रही है।''

156 और कुछ देर के बाद में बहुत अंधेरा हो गया, वह बाहर चला गया। वह एक स्वप्न में चला गया। वह यह सोच रहा था कि वह स्वप्न देख रहा है। वह वापस औरजीऔन में था जहाँ से वह आया था, लकड़ी काट रहा था। और उसके मालिक ने कहा, ''पॉल, वहाँ पहाड़ी के ऊपर चले जाओ, और मेरे लिये एक पेड़ को काटकर लाओ,'' वह पेड़ इतने इन्च का और इतने फीट का हो, ''और पेड़ काटकर मेरे लिये लाओ।''

कहा ,''ठीक है, मालिक। मैं ऐसा करूंगा।''

157 वह वहाँ पर ऊपर गया, और एक छोटे से पुराने पेड़ को गिराया, और उसपर कुल्हाड़ी चलायी, और उसे पकड़ने के लिये नीचे झुका, और वह उसे उठा नही पाया। वह बस... उसने कहा, ''मैंने अपना बल खो दिया है। मैं और अधिक आगे नही जा सकता हूँ। मैंने अपना बल खो दिया है। अच्छा,'' उसने कहा, ''यहाँ पर मैं एक बड़ा व्यक्ति हूँ। मेरा वजन दो सौ पाऊंड से भी ज्यादा है। मेरी मांस पेशी बहुत बड़ी हैं। क्यों,'' उसने कहा, ''मैं अपने घुटनो को एक साथ करके किसी भी आकार के लट्ठे को पकड़ सकता था, और उसमें जंजीर को डालकर उसे ऊपर उठा सकता था।'' उसने कहा, ''और यहाँ पर मैं....मेरा छोटा अंग जो कि उससे कुछ ज्यादा बड़ा नही है, और मैं उसे उठा नही पा रहा हूँ।'' कहा, ''मैंने हाथापाई करी और मैंने यत्न किया जब तक कि मेरी सारी ताकत चली नही गयी। ओह,'' उसने कहा। ''तब सोचा, 'मैं क्या कर सकता हूँ?''' कहा, ''मैं नीचे बैठ गया और पेड़ के सहारे खड़ा हो गया।'' उसने कहा, ''ओह, मैं कितना उदास हूँ। मेरा मालिक इस पेड़ को वहाँ नीचे चाहता है, और मेरा अन्दर इतना भी पुरूषत्व नही है कि मैं उसे नीचे ले जा सकूं।''

158 ओह, हमारा मालिक क्या चाहता है! वह एक बिना दाग की, बिना किसी झुर्री की कलीसिया को चाहता है। वह लहु से धुले हुये लोगो को चाहता है। वह ऐसे लोगो को चाहता है जिनके पास विश्वास हो, जो कि उसके वचन पर खड़े हो सकें और कहें, "यह परमेश्वर का अनन्त सत्य है। यह मेरे लिये है, और मैं उसपर विश्वास करता हूँ।"

159 और कहा, जब वह वहाँ पर बैठा था, वह पेड़ की टेक लिये हुये था, वह रो रहा था। और उसने यह बताया कि उसने अपने मालिक को बोलते हुये सुना, और उसने कहा, "पॉल?"

160 और उसने कहा, "जी हाँ मालिक, मैं यहाँ पर हूँ। परन्तु मैं अपना सारा बल खो चुका हूँ। मैं और अधिक आगे नही जा सकता हूँ। मैं करने का यत्न किया है, मैंने आपकी आज्ञा का पालन करने का यत्न किया और वह करने का यत्न किया जो कि आपने कहा है, परन्तु मैं इस चीज को जमीन पर से उठा नही पा रहा हूँ।" उसने कहा, "मैंने संघर्ष किया है। मैंने प्रयत्न किया है। मैंने सब कुछ किया है।"

161 और मैं बस यह आश्चर्य करता हूँ कि यदि यह आज बहुत से सच्चे हृदय वाले प्रचारकों का व्यवहार नही है, जो कि बिना दाग की या झुर्री की कलीसिया देखने की लालसा रखते हैं, जो कि परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं को प्रकट होते हुये देखना चाहते हैं। हमने संघर्ष किया है और यत्न किया है, और चीखे और चिल्लाये हैं, और तब तक प्रचार किया है जब तक कि हमारा गले में आवाज न निकल पायी हो, और हम अपनी तकियाओं पर लेटे हों और रोये हों। "ओह परमेश्वर, ऐसा क्यों है, जब हम ठीक होने लगते हैं, तभी शैतान आता है, और चीर देता है और फाड़ देता है, बस उस हर एक चीज जो कि हमारे पास होती है, नीचे गिरा देता है? हम तब क्या कर सकते हैं जब हम अपने प्यारे लोगो को देखते हैं, और कैसे वे बिखर जाते हैं और इस तरह से चले जाते हैं?"

162 तब उसने कहा, जब उसने अपने मालिक की आवाज को सुना, उसने सोचा, "यह सुनने में विचित्र लगती है। मैंने कभी भी अपनी

आवाज को बोलते हुये.... अपने मालिक को इतनी नम्रता के साथ बोलते हुये नही सुना।''

163 और कहा, ''जब मैं पीछे मुड़ा, तब वह मेरा वास्तविक मालिक था। वह मेरा गुरू था, मेरा उद्धारकर्ता था।''

164 उसने कहा, ''पॉल, तुम बस मृत्यु हो जाने तक संघर्ष कर रहे हो। इससे तुम्हारा कोई भला नही होगा।'' कहा, ''पॉल, क्या तुम उस छोटी सी पानी के बहाव को नही देख रहे हो जो कि वहाँ पर है?''

उसने कहा, 'हाँ।''

165 उसने कहा, ''बस उस चीज को उसमें डाल दो। उसपर चड़ जाओ और उसकी सवारी उस पड़ाव तक करो। यह उस पड़ाव तक जाता है।''

166 उसने कहा, ''मैं ऊपर कूदा और लट्ठे को लुढ़का कर उस में डाल दिया, और लट्ठे पर कूदकर बैठ गया। उस छोटी लहर के सहारे नीचे गया, बस जितनी जोर से मैं चिल्ला सकता था, मैं चिल्ला रहा था, चिल्ला रहा था, 'मैं उसपर सवारी कर रहा हूँ! मैं उसपर सवारी कर रहा हूँ! मैं उसपर सवारी कर रहा हूँ!'''

167 और जब वह अपने आपे में आया, वह ठीक फर्श के मध्य में था। और उसकी पत्नी जितनी जोर से वह चिल्ला सकती थी, चिल्ला रही थी। वह फर्श के मध्य में था, कह रहा था, ''मैं उसपर सवारी कर रहा हूँ! मैं उसपर सवारी कर रहा हूँ! मैं उसपर सवारी कर रहा हूँ! ''

168 और भाई और बहन, मैं जानता हूँ कि परीक्षायें कठिन हैं। मैं बूड़ा हो रहा हूँ, और मैंने प्रचार किया है। मैंने वह सब कुछ किया है जो कि मैं करना जानता था। मैं अब एक ऐसे स्थान पर पहुँच चुका हूँ जहाँ से मैं और अधिक देख नही सकता हूँ। मैं बस सारी बातों को यीशु मसीह

की गोद मैं रख दिया है, और मैं उसपर सवारी कर रहा हूँ। मैं परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं की सवारी कर रहा हूँ, "मुझ प्रभु ने उसे बोया है। मैं उसे दिन और रात पानी देता हूँ, ऐसा न हो कि कोई उसे मेरे हाथ से छीन ले।" परमेश्वर की कलीसिया हमेशा बनी रहेगी।

169 परमेश्वर का वचन हमेशा के लिये सुनिश्चित रूप से सत्य रहेगा। और इससे कोई फर्क नही पड़ता है कि राज्य आयें, या परमाणु बम गिरें, या अमेरिका विश्वास में पिछड़े, कुछ भी होता रहे, यह उसका वचन है। वह इसके प्रति हमेशा सच्चा बना रहता है। और मैं उसपर सवारी कर रहा हूँ। मैं उसपर अपने संपूर्ण हृदय के साथ विश्वास करता हूँ।

आइये हम प्रार्थना करें।

170 आशीषित यीशु, ओह, क्या ही सवारी है! आनन्द की लहरों के ऊपर से जाना, हालेलुइया के बहाव पर से जाना, ओह, बस उसकी सवारी कर रहे हैं! आपने प्रतिज्ञा करी है। आपकी सारी प्रतिज्ञायें सच्ची हैं। और हम यह जानते हैं कि हर एक प्रतिज्ञा इस बात की गवाही देती है कि वह सत्य है। और युगों से होते हुये हमने इस पुरानी आशीषित बाईबिल को प्रकट होते हुये देखा है, और हम वह महान घड़ी आ रही है, मध्यरात्रि का समय आ रहा है।

171 प्रभु, महान और पवित्र सुसमाचार के सेवक राष्ट्र में चारों ओर गये हैं, वे प्रचार कर रहे थे, रो रहे थे, नदी का पानी पीते थे, सताये जाते थे, एक जगह से दूसरी जगह भागते थे, शहरों से भगाये जाते थे, जेल में बन्द किये जाते थे, उनका उपहास उड़ाया जाता था, उनका तिरस्कार किया जाता था, उनके ऊपर हंसा गया था, वे भुखों मरे थे।

172 परन्तु आपकी कलीसिया ठीक आगे बड़ती रही, क्योंकि आपके वचन ने कहा था, "इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा और अद्योलोक के फाटक उसपर प्रबल नही होंगे।" और आज हम उस

चट्टान की, जो कि परमेश्वर प्रभु यीशु मसीह का अनन्त प्रगट वचन है, सवारी कर रहे हैं। उस ठोस चट्टान के ऊपर कलीसिया आज खड़ी हुयी है। नास्तिक, साम्यवादी, पृथ्वी के तत्व खड़े हुये हैं और उन्होंने प्रहार किया है और उपद्रव मचाया है। परन्तु वह उस ठोस चट्टान के ऊपर बनी है।

173 शैतान ने गलती निकालने वाले भेजे हैं। उन्होंने उपहास उड़ाया है। उन्होंने सताया है। उन्होंने उसे संसार के हर एक नाम से बुलाया है। और हमें गिराया गया है, और हमारी परीक्षा हुयी है और हम परखे गये हैं और ओह हर एक बात हुयी है। परन्तु ओह परमेश्वर, पुराने नियम के यहोशू और कालेब की तरह, हम अभी भी कहते हैं कि हम अनन्त रूप से परमेश्वर के वचन पर खड़े हुये हैं। वह अपनी प्रतिज्ञाओं के प्रति सच्चा बना रहता है। उसने कहा था कि वह ऐसा करेगा, और हम उस बात पर विश्वास करते हैं।

174 और होने पाये कि हर एक व्यक्ति जो कि यहाँ पर है, उस बात को नजदीकी से देखने पाये कि उस बात का क्या मतलब है, कि अब–अब हम उसकी सवारी कर रहे हैं। किसी दिन हम पड़ाव में पहुंचेगे, जहाँ पर संत पृथ्वी पर छावनी किये हुये होंगे। परमेश्वर और उसके बच्चे हमेशा के लिये आनन्द मनायेंगे। परमेश्वर, इसे प्रदान करें।

175 और जबकि हमार सिर झुके हुये हैं, इस प्रातः इस आराधनालय में हमारी आंखे बन्द हैं। मैं आश्चर्य करता हूँ कि मसीह के नाम में यदि किसी के पास यह कहने का साहस होगा, ''भाई ब्रन्हम, इस दिन, ठीक अभी, इस कलीसिया में मैं अपने हाथों को मसीह की ओर उठा रहा हूँ, और कह रहा हूँ, 'प्रभु, इस दिन से मैं आपके वचन की सवारी करूंगा।' मैं वहाँ पर खड़ा रहूंगा और मसीह को अपना उद्धारकर्ता ग्रहण करूंगा; कभी भी ऐसी बातों को करने का यत्न नही करूंगा कि मैं अपना उद्धार स्वयं पाने का यत्न करूं। मैं बस प्रभु यीशु पर विश्वास करूंगा और उसे ग्रहण करूंगा। और उसे अपने हृदय में गहरा दिव्य प्रेम और वह शान्ति जो सब की समझ से परे है, डालने दूंगा। मैं पवित्र आत्मा का इंतजार

करूंगा कि वह मुझे दे... मैं एक बार खड़ा हुआ था और यह सोचा था कि मैं उस बात को कर सकता हूँ, परन्तु मैं यह पता लगाया कि मैं नही कर सकता हूँ।'' निश्चित रूप से आप नही कर पायेंगे। परन्तु यदि आप वहाँ पर इतनी देर तक बने रहें जब तक कि वह उसे नही करता है, तब फिर वह वहाँ पर बना रहेगा, तब लंगर पड़ चुका होता है।

176 परन्तु यदि आप उसे करने का यत्न करते हैं, आप असफल होने जा रहे हैं, और आप को असफल होना ही है। यही कारण है कि आप के पास आपके उतार और चड़ाव हैं, और अन्दर– बाहर आना है, और वे सब बाते हैं जो कि आप कर रहे हैं। यह इसलिये है क्योंकि आप उसे करने का यत्न कर रहे हैं। आप कहते हैं, ''ओह, मैं विश्वास करता हूँ कि मैं अभी ठीक हूँ।'' यह वह बात नही है। यह नही है–यह नही है। नही। यह तो पवित्र आत्मा है जो कि अन्दर आता है। वह अपना स्थान लेता है। वह कड़वाहट की सारी जड़ों को, पुराने गुस्से को, और क्रोध को, और जलन को और संसार और उसकी चीजों के प्रेम को निकाल देता है। यह उन सब बातों को आप में से निकाल देता है, तब फिर आप एक नयी सृष्टि होते हैं।

177 क्या आप अपने हाथों को उठायेंगे और कहेंगे, ''मसीह, इस प्रातः उस प्रकार का मसीह बना।'' परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे। और परमेश्वर आपको आशीष दे। भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे। बहन, परमेश्वर आपको आशीष दे।'' इस प्रातः मुझे उस प्रकार का मसीह बना। मैं यीशु की तरह होना चाहता हूँ! मैं चाहता हूँ कि मेरे हृदय में से कड़वाहट की सारी जड़ों को निकाला जाये।''

178 अब, आपमें से बहुत से लोगों ने अपना हाथ उठाया है। अब, ठीक आप जहाँ पर हैं, यदि आप अपने संपूर्ण हृदय से, बस केवल कल्पना न करें परन्तु यीशु मसीह पर विश्वास करें, परमेश्वर का पुत्र ठीक आपके पास में खड़ा हुआ है, और वह पुरानी कड़वाहट को आपमें से निकाल देगा, जो कि आपको वैसा बना देगा जैसा कि आप बनने की चाह

रखते हैं, ठीक जहाँ पर आप हैं, वह वहाँ पर करेगा... वह शल्य चिकित्सा को आपके चिकित्सालय में करेगा, यदि बस आप उसे करने देते हैं।

क्योंकि सब बातें संभव हैं, केवल विश्वास करो,

केवल विश्वास करो, केवल विश्वास करो,
सब बातें संभव हैं, केवल विश्वास करो;
केवल विश्वास करो.....

179 बस प्रार्थना करते रहो। प्रभु, स्मरण रहे... बच्चे, यह आपका प्राण है। हो सकता है कि आप अगली सभा में बिलकुल भी न हों। शायद यह आपकी अंतिम हो। परमेश्वर को ठीक अभी इसे करने दें।

180 कहें, ''भाई ब्रन्हम, क्या मैं वेदी पर आऊँ?'' यदि आप चाहते हैं तो निश्चित रूप से आयें। यदि आप नही चाहते हैं, आप ठीक वही रहें जहां पर आप हैं।

181 आप बस उसका विश्वास करें। ''वह जो कि मेरे वचनो को सुनता है, और मेरे भेजने वाले की प्रतीति करता है, अनन्त जीवन उसका है, और वह न्याय में नही आयेगा; परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।'' बस यही बात है।

182 यदि आप वेदी पर आकर प्रार्थना करना चाहते हैं, तो यह आपके लिये खुला हुआ है। आप चाहते हैं कि आप जहां पर आप हैं, वहीं प्रार्थना करें; यह आपका प्राण है, यह आप हैं।

183 भाई, समय नजदीक है। कलीसिया को बस लगभग बनाया जा चुका है। पुरानी नदी कीचड़युक्त हो चुकी है। हमने मछली पकड़ी है और जाल डाला है, और हमने उन पुराने, सीसे के बने हुये, काँटे को पानी में डुबाने वाली चीजों को तब तक पानी में फेंका है जब तक कि संपूर्ण चीज कीचड़युक्त हो गयी है। कीचड़ में बहुत अधिक सूअर हैं।

वह कीचड़युक्त हो चुकी है।

184 सेवक होने के नाते मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि यदि परमेश्वर इसे करने जा रहा है, तो इसे करने के लिये परमेश्वर की आवश्यकता पड़ेगी। मैं नही कर सकता हूँ। अंतः यह आप के ऊपर है। वहाँ पर वचन है, वहाँ पर सत्य है, आप उसे ठीक अपने सामने खुलते हुये देखते हैं। अन्त नजदीक है। यीशु कभी भी आ सकता है। ऐसा हो सकता है कि आज रात्रि सूर्य अस्त होने से पहले कोई संयुक्त राष्ट्र न हो। वे पाँच हजार परमाणु बमों को एक साथ भेज सकते हैं; अब से एक घंटे के बाद में ऐसा हो सकता है कि पृथ्वी पर एक भी जीवित प्राणी न हो। यदि आप चाहते हैं... अब यह आपके ऊपर है।

इसके विषय में सोचिये जबकि हम प्रार्थना करते हैं।

185 आशीषित स्वर्गीय पिता, इस वचन को समाप्त करते हुये, जबकि मैं पन्नों को पीछे पलटता हूँ, संदेश पर मोहर लग चुकी है। प्रभु का आगमन निकट आ रहा है। इस भवन में बहुतेरों ने अपने हाथों को उठाया और कहा, "मैं मसीही बनना चाहता हूँ। मैं परमेश्वर का एक वास्तविक नया जन्म प्राप्त दास बनना चाहता हूँ।

186 प्रभु, शायद बहुत वर्षों तक आपने उनके हृदय के साथ व्यवहार किया। आपने–आपने उन्हें वह बात बतायी है। आपका अनुग्रह अभी भी उनको जाकर छू रहा है। अभी भी वे पूर्ण से वापस नही गये हैं। कोई तो ऐसे स्थान पर पहुँच चुके हैं जहाँ पर उनके पास कोई इच्छा बाकि नही रह गयी है। एक वर्ष पहले, वे अपने हाथों को उठाते थे और कहते थे, "अच्छा, मैं एक मसीही बनना चाहता हूँ।" अब वे बहुत दूर जा चुके हैं; अब वे और अधिक वैसा अनुभव नही करते हैं।

187 बस सब कुछ समाप्त होने को है! और महान प्रचारकों को सुनना, जब वे इस राष्ट्र का पार करते हैं, इस राष्ट्र में यह एक आम बात है। उन्होंने लोगो की भावनायें जांचने के लिये कार्य किया है।

उन्होंने हर एक बात की है। उन्होंने झुण्डों को एक साथ संघठित किया है। उन्होंने घरों में जाकर उनसे मुलाकात की है जिन्होंने अपने हाथों को उठाया है और प्रयत्न किया है। जहाँ पर हजारो और हजारों ने शुरूआत की, दो या तीन उस बात को थामे रहे। अच्छा, प्रभु यह समाप्त हो चुका है। परमेश्वर, यह समाप्त हो चुका है। हम समाप्त हो चुके हैं।

188 ओह पिता, मैं जानता हूँ कि आपने कहा है कि, ''वे सभी जो मसीह के पास आयेंगे, आप उन्हें रखेंगे।'' और मैं उस बात का विश्वास अपने सुपूर्ण हृदय से करता हूँ। और प्रभु, मैं यह विश्वास करता हूँ कि आप उन लोगों को बनाये रखेंगे जिनके मन आप पर बने हुये हैं। और प्रभु, मैं कलीसिया के लिये आप का धन्यवाद करता हूँ, और उन संतो के लिये धन्यवाद करता हूँ जो कि कलीसिया में हैं, उस महान आत्मिक देह में हैं!

189 परन्तु, ओह परमेश्वर, मेरा हृदय उन लोगो के लिये थरथराता है जो कि उससे बाहर हैं, वे उस बात को जान रहे हैं कि दिवार पर हस्तलेख है, वे महान बातों को चिन्हों के रूप में होता हुआ देख रहे हैं। और अमेरिका अभी भी गन्दें चुटकुलों से, और टेलीवीजन और रेडियो पर बिना सेंसर किये गये कार्यक्रमो से, और प्रेम कथाओं से, और उपहास और मजाक उड़ाने वालों से, और आमोद–प्रमोद से, और हालीवुड के प्रचार कार्यों से भरा हुआ है।

190 और ओह परमेश्वर, यह सत्य है कि मध्यरात्रि का समय आने वाला है। वह जाने के लिये तैयार है। और प्रभु, मैं क्या कर सकता हूँ? मैंने चिंता की है; मैं रोया हूँ; मैंने भीख माँगी है। मैंने–मैंने... प्रभु, यह बस आपके ऊपर है। मैंने–मैंने.... बस यही सब कुछ है जो कि मैं कर सकता हूँ। मैंने प्रचार किया है। प्रभु, मैं ठीक वचन पर खड़ा रहुंगा। मैं ठीक उस पड़ाव में सवारी करके जाना चाहता हूँ। समय और अधिक नही है।

191 अब, परमेश्वर, जिनका हृदय आज इमानदार था। परमेश्वर, ठीक अभी उनके लिये कुछ करें। आज से उन्हें आप अपने बच्चे

बनने दें।

192 प्रभु, हमारे मध्य में जो बिमार हैं, उन्हें चंगा करें। उन्हें ठीक करें। प्रभु, उन ठंडे पिछड़े हुये लोगो को वापस लेकर आयें। उन्हें इस बात को जानने दें कि वे बस.... वे इतने जोखिमभरे क्षेत्र में खिलवाड़ कर रहे हैं। जल्द ही वे चले जायेंगे, फिर उनके लिये बहुत देर हो जायेगी। यह प्रदान करें कि आपकी आत्मा हमारे साथ बहुतायत से व्यवहार करे। यीशु मसीह के नाम में माँगते हैं। आमीन।

193 युवा लोगो से मैं यह कहूंगा। यदि मैं कर सकता... इस प्रातः, कल के जन्मदिन के बाद जिसमें मैंने जीवन में अड़तालीस वर्ष पूरे किये। उसमें से करीब बीस वर्ष, शायद चौबीस वर्ष मैंने प्रभु यीशु के लिये बिताये। जब मैं करीब तेइस वर्ष का लड़का था, मैंने–मैंने सुसमाचार का प्रचार आरंभ किया था।

194 यदि मुझे किसी बात का दुःख है, किसी चीज का दुःख है; यदि इस प्रातः मैं एक बटन को छू सकता, और उस सोलह या सत्तरह वर्ष के आश्चर्यजनक संसार में वापस चला जाता, मैं यह केवल एक बात के लिये करना चाहता हूँ, वह है मसीह की सेवा करने के लिये। मसीह की सेवा अकेले करना, इस बात से यही मतलब है। परमेश्वर जो कि मेरे हृदय को जानता है, इस बात को जानता है कि यह सच बात है। मसीह की सेवा अकेले करना।

195 इस आशीषित मसीह के लंगर के मुकाबले में, जो कि मेरे हृदय में पड़ चुका है, मैंने कोई और बात न देखी है या कोई बात सोची है। मैं कुछ और बात को नही जानता हूँ। मैं समुद्रों की यात्रा की है। मैंने हवाओं में उड़ान भरी है। मैंने उन सब दृष्यों को देखा है जो कि संसार में हैं। मैंने संसार के सात भेदों को देखा है, बल्कि मैंने संसार के सात उत्कृष्ट दृश्यों को देखा है। मैंने संसार के सब पहाड़ों के पास वाले स्थान देखें हैं। मैंने...मैं एक शिकारी हूँ। मैंने हर एक राष्ट्र में शिकार किया है। मैंने सब कुछ किया है; मछली पकड़ी है। मैंने घोड़ों की सवारी की है।

मैंने पशु–फार्म चलाये हैं। मैंने वह सब कुछ किया है जो कि मैं करना जानता था। और मैं इस बात को कहूंगा, कि वह सब कुछ जो मैंने किया, यदि उन सब बातों को एक साथ एकत्र कर दिया जाये, तो वह प्रभु यीशु मसीह के प्रेम के लिये एक बिन्दु भी न होगा।

196 मैं क्या कर सकता हूँ? क्या कर सकता हूँ... ओह, हाँ, ये छोटे बच्चे जो कि यहाँ पर हैं। मेरी छोटी लड़किया मित्र थीं, और मेरे बालों को सीधा करती थीं। और मेरी कार पर शीशा वापस लगाती थीं, और मेरे साथ बाहर जाया करती थीं। मैंने सोचा... परन्तु उसने मुझे संतुष्ट नही किया। हर समय कछ चीज है जिसकी कमी आपको रहती है।

197 मैं एक लड़की का देखा है जिसकी सुन्दर भूरी आंखे थी, और वह... आप जानते हैं कि युवा व्यक्ति की तरह आप कैसा अनुभव करते हैं। मैंने सोचा कि बस यही सब कुछ है। ''यदि मैं इस युवा स्त्री के साथ बाहर जा सकता, तो यह मेरी सारी उत्सुकता को दूर कर देता। उससे मामला बस वही समाप्त हो जाता।'' मैं उसके साथ बाहर गया होता, और उसके साथ पन्द्रह मिनटों तक बाहर रहा होता, फिर किसी दूसरे को देखने लगता। मैं उस बात से संतुष्ट नही हो पाता। ओह, कुछ नही है।

198 परन्तु वह आशीषित घड़ी! उसका नाम आशीषित हो! कोयला रखने के स्थान में , उस भवन के पीछे, एक पुराने घास के बोरे पर गली में घुटने टेक रहा था, वहाँ पर मैंने गीली जमीन पर घुटने टेके और कहा, ''प्रभु यीशु, क्या आप मेरे लिये कुछ कर सकते हैं?'' तभी वह शान्ति जो सब की समझ से परे है, चौबीस वर्ष पहले उसने मेरे हृदय में लंगर किया। और वह उन सारी चीजों से जो कि संसार में हैं, ज्यादा महत्व रखती है। मैंने उस बात की तुलना में कुछ और नही देखा।

खतरों से, कठिन परिश्रम और फन्दों से होकर जाते हुये,
में पहले ही आ चुका हूँ;
यह अनुग्रह है जो कि मुझे इतनी दूर लेकर आकर आया है,

यह अनुग्रह है जो कि मुझे आगे ले जायेगा

199 मैंने बिमारी और दुर्घटना की घड़ियों में उसपर भरोसा किया है। मैंने उसपर जब भरोसा किया जब हवाई जहाज तूफान में चक्कर काट रहा था और आप यह नही जानते थे कि क्या करना है। मैंने कहा, "प्रभु यीशु, क्या आपका कार्य मुझसे समाप्त हो गया है? यदि नही, इस जहाज का ठीक कर दीजीये।" और मैंने उसे फिर से ठीक अवस्था में आते हुये देखा।

200 मैं उन चिकित्सालयों में खड़ा हुआ हूँ जहाँ राष्ट्र के सबसे अच्छे डाक्टरों ने... और उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, "बस जीने के लिये कुछ ही मिनट शेष हैं; उसकी मृत्यु होने जा रही है।" और वे सबसे अच्छे डाक्टर थे जो कि मेरे लिये लाये जा सकते थे।

201 और मैंने कहा, "प्रभु यीशु, क्या आपका मुझसे अब कोई लेना देना नही है?" और एकदम से मैं अपने आपे में आ गया। निश्चित रूप से।

202 ओह, आश्चर्यजनक अनुग्रह, कितना मधुर! मैं यह कितना चाहता हूँ कि मेरे पास इसे समझाने के लिये जुबान होती कि यह क्या है। यह मानवीय दिमाग के लिये बहुत बड़ी बात है। आप मेरे वचन को लें। मित्र, आप कोई विकल्प न लें। आप कोई विकल्प को ग्रहण न करें। आप बस जाकर यह न कहें, "अच्छा, अब मैं यह करूंगा। मैं–में आपको बताता हूँ, मैं बहुत अच्छा व्यक्ति हूँ।" आप उस बात पर निर्भर न रहें। आप ऐसा न करें। आप बस वहाँ पर बने रहें जबतक कि कुछ चीज वहाँ पर पहुंचकर सारे पापों को दूर नही कर देती, और वहाँ पर ऐसा चुंबन दे जो कि जलता रहे। और जब परीक्षायें आयें, आप को यह आश्चर्य करने की आवश्यकता नही है कि आप उसे करने जा रहे हैं कि नही, वहाँ पर कोई चीज आकर आपको थाम लेगी।

203 और अब मैं अधेड़ उम्र का व्यक्ति हूँ, मुझे नीचे आकर यह

सोचना होगा कि इनमें से एक दिन मुझे जाना है। यदि यीशु रूकता है, मुझे जाना होगा। मुझे यह नही पता कि तब क्या होगा जब मैं सड़क के अन्त पर पहुँच जाऊँगा। मैं नही जानता हूँ। मैं अपने प्रचार करने पर भरोसा नही कर रहा हूँ। नही श्रीमान। नही, मैं उन बातों पर भरोसा नही कर रहा हूँ जो कि मैंने की हैं। ओह परमेश्वर, नही। ओह, यह बात मुझसे दूर होने पाये। जबसे मैं एक प्रचारक बना, मैंने कुछ बातों को किया है, लापरवाही करी है और यह और वह किया है। मैं उनमें से किसी बात पर भरोसा नही करना चाहता हूँ। नही श्रीमान। मैं यह नही कहना चाहता हूँ, ''प्रभु, मैंने आपके लिये दस लाख प्राणों को आपके लिये जीता है।'' इसका उस बात से कोई लेना देना नही है; बिलकुल भी नही है। केवल एक बात है जिसपर मैं भरोसा कर रहा हूँ और वह है उसका अनुग्रह, उसकी प्रतिज्ञा, उसका वचन।

204 प्रभु, आप ने कहा.... चाहे मैं मौत की वादियों में से होकर क्यों न जाऊँ, मुझे कोई हानि न होगी। आप ने कहा है, ''मैं तुझे कभी न छोड़ूंगा न ठुकराऊँगा।''जब मैं उस तकिया पर लेटा होऊँगा, और मृत्यु का ठंडा पसीना मेरी भौंहों पर से जा रहा होगा, वह वहाँ पर होगा। वह वहाँ पर होगा, यह बात उतनी निश्चित है जितना निश्चित मेरा यहाँ पर खड़ा होना है।

205 जब मैं अपना अंतिम संदेश प्रचार करूंगा, बाईबिल को बंद करूंगा और अंतिम बार चलकर बाहर जाऊँगा, कार्य समाप्त हो जायेगा; वह वहाँ पर होगा। जी हाँ श्रीमान। और बस यह बात उतनी निश्चित है जितना कि मैं विश्वास करता हूँ कि वह आ रहा है; जब वह फिर से वापस आयेगा, मैं भी वहाँ पर होऊँगा। जी हाँ श्रीमान। यह इसलिये नही है कि मैं योग्य हूँ। यह इसलिये हैं क्योंकि उसने मेरे लिये किया है। और मैं यह बात उसके अनन्त वचन के आधार पर ग्रहण करता हूँ। और मैं उसके द्वारा जानता हूँ कि कुछ हुआ है। कुछ हुआ है। ऐसा नही है कि मैं कितना शोर मचा सकता हूँ, मैं यह बात कितनी अच्छी तरह से कह सकता हूँ। यदि मैं संसार का सबसे महान प्रचारक होता, यदि मैंने मुर्दों को जिलाया होता, जो भी मैंने किया है, इससे उसका कोई लेना नही है।

यह इसलिये हुआ है क्योंकि कुछ हुआ है। यहाँ अन्दर कुछ हुआ है। उसने उस पुरानी जलन को, उस पुरानी कड़वाहट को और बुराई को, और हर एक बात को मेरे हृदय में से निकाल दिया। और अब दिन और रात मैं बस उससे प्रेम करता हूँ। कुछ हुआ है। किसी दिन मैं उसको देखना चाहूँगा। मैं चाहता हूँ कि आप भी देंखे।

206 छोटी कलीसिया, जो कि परमेश्वर के राज्य के लिये संघर्ष कर रही है, इस दिन कभी लड़खड़ाना नही। यदि आप ऐसा करते हैं, जल्दी से पश्चाताप कर लें, वापस कूद कर आ जायें। समझे? यदि आप के पैर के अंगूठे में चोट लग जाये तो आप गिरना मत। खड़े हो जाना। ओह मेरे परमेश्वर! खड़े हो जाना। निश्चित रूप से।

207 यदि आप कोई गलती करते हैं। अब, इस आने वाली बेदारी में. .. आप बस वापस चले गये और ठंडे और उदासीन हो गये हैं। जाग जायें, अपनी बाईबिल पर वापस आ जायें। सेब के बगीचे में कहीं चले जायें। आप अकेले में कहीं चले जायें, और कहें, "परमेश्वर, अब मैं यहाँ पर हूँ। मुझे इस बात का दुःख है।"

208 आप को उस बात के लिये कोढ़े पड़ने जा रहे हैं, बस उस बात को स्मरण रखें। जी हाँ, अवश्य ही ऐसा होगा। आप जो बोऐंगे, वही काटेंगे। जी हाँ श्रीमान। परन्तु जो भी कुछ आप करते हैं, आप अपने कोढ़ों को यहीं पर खा लें। ऊपर खड़े हो जायें और बिलकुल अपने आप को ठीक कर लें, और कहें, "पिता, मैं यहाँ पर हूँ। पिता, जैसा कि आप ठीक समझते हैं, मुझे कोढ़े मारें। मैं यहाँ पर हूँ।" यह ठीक बात है। तब फिर आप ठीक वापस अपने हृदय में "हालेलुइया" लेकर जायें। परमेश्वर आप को कोढ़े मारता है, बस कहिये, "हाँ प्रभु, मैं इस हर एक बात के योग्य हूँ।" बस आगे चलते रहिये। परमेश्वर आपको उसमें से लेकर जायेगा, यह ठीक बात है। इनमे से एक दिन यह समाप्त हो जायेगा।

209 मैं उस अच्छे से पुराने गाने के विषय में सोचता हूँ जो कि भाई नेविल और वे लोग गाया करते थे, "मेरी परेशानीयां और परीक्षायें एक

दिन समाप्त हो जायेंगी।'' हाँ, यह ठीक बात है।

210 कितने उससे प्रेम करते हैं? आइये हम आपके हाथों को देखें? ठीक है। हमें आश्चर्यजनक अनुग्रह गीत की धुन दें। एक मिनट के लिये सभी शान्त हो जायें। अब धीमे से।

आश्चर्यजनक अनुग्रह! कितना मधुर,
जिसने कि मुझ जैसे अभागे को बचाया!
मैं एक समय भटका हुआ था, परन्तु अब मुझे पा लिया गया है,
पहले अंधा था, परन्तु अब मैं देखता हूँ।

यह अनुग्रह था जिसने कि मेरे हृदय को डरना सिखाया,
और अनुग्रह से ही मेरे डर जाते रहे,
वह अनुग्रह कितने अनमोल रूप में प्रगट हुआ,
जिस घड़ी मैंन पहले विश्वास किया,
अब हम सब एक साथ गायें

जब हम वहाँ पर दस हजार वर्षों के लिये होंगे,
सूर्य की तरह चमकते होंगे,
जबसे हम ने पहले आरंभ किया था, तब से हमारे पास परमेश्वर के अनुग्रह के गीत गाने के लिये कम दिन नही होंगे।

211 मैं बूढ़े डाक डेविस और उनमें से बहुतेरों का सुना करता था, और मैंने बहुत से बूढ़े संतो को सुना है जब वे नीचे आ रह थे और जब उनका कार्य समाप्त हो गया था, और सेवकाई फलवन्त हो रही थी। मैंने उन्हें यह कहते हुये सुना था कि वे कैसा अनुभव कर रहे थे। बस अब मुझे उस बात का अहसास हो रहा है। आमीन। बस उस बात का अहसास मुझे होने लगा है। ओह, कैसे, क्या ही अद्‌भुत बात है!

212 आज मैं किस बात करे थामूंगा? मैं कहां जाऊँगा? आप कहाँ जा

रहे हैं? आमीन। मैं क्या करूंगा? कहाँ? आज मुझे क्या होता यदि यह मसीह के लिये नही होता? मेरी आशाओं का लंगर कहाँ पर पड़ा है? मैं पागल हो गया होता। जब मैं यह देखता हूँ कि क्या होने जा रहा है, और यह जानना की बस हमेशा के लिये यही सब कुछ है, ओह मेरे परमेश्वर, मैं क्या करूंगा?

213 परन्तु ओह, मैं बहुत खुश हूँ। मैं बहुत खुश हूँ। यह बस एक दिन का निकलना है। हम बस एक स्वप्न में हैं। हम जागने वाले हैं। ओह, एक डरावने स्वप्न में हैं; उससे बाहर बसन्त ऋतु में आना है; अनन्त युवावस्था में, अनन्त स्वास्थ में, अनन्त आनन्द में, अनन्त शान्ति में आयेंगे। क्या यह अद्‌भुत नही है? वह इतना वास्तविक है!

214 मैं आश्चर्य करता हूँ कि यहाँ पर अभी कितने बिमार व्यक्ति हैं, और प्रार्थना करनवाना चाहते हैं? आइये आपके हाथों को देखें। ठीक है।

215 आपको यह बताना चाहता हूँ कि पिछले सप्ताह क्या हुआ था। हमारे पास सभा में बहुत अद्‌भुत बातें मंच पर हुयी हैं। और मैं एक प्रकार ऐसी बात के नजदीक आ रहा हूँ, कि ऐसा प्रतीत होता है कि यह उससे भी महान बात होगी जितना कि वह पहले थी।

216 मैं मंच पर आया हूँ, और परमेश्वर ने एक–एक भविष्यद्वक्ता का वरदान दिया है, जो कि कर सकता है.... इसमें कोई सवाल नही किया जा सकता है। मैं उस बात को ठीक यहाँ पर आपके लिये सिद्ध कर सकता हूँ। समझे? इसमें कोई सवाल नही किया जा सकता है। परन्तु मैं एक बात को देखता हूँ कि इससे कार्य बस उस तरह से नही होता जैसे कि उसे होना चाहिये, क्योंकि यह बस एक वरदान है। एक और बात है, यह तो एक व्यक्ति है, आप समझे। इसका सम्बन्ध वरदान के द्वारा एक व्यक्ति से होता है।

217 परन्तु मैंने किसी दूसरे दिन कुछ किया था, लोगो को ओकलैंड में लिया..... वहाँ उस बड़े स्थान में। मैंने कहा, ''बस उसकी उपस्थिति

है,'' और बस वचन के साथ में बना रहा। और लोगो को..... आप जानते हैं कि क्या बात थी? वहाँ वर मेरा विश्वास है कि उन किसी भी सभाओं के मुकाबले ज्यादा चंगाईयाँ हुयीं, उन बड़ी सभाओं को छोड़कर जैसे कि अफ्रीका और उसके चारों ओर हैं, परन्तु उनके आकार को छोड़कर। लोग बस सभा में परमेश्वर की उपस्थिति को पहचान रहे थे, बस वहाँ पर बैठे हुये थे और परमेश्वर की उपस्थिति में आ गये थे। और लोग खड़े होते थे और चंगे हो जाते थे; भेंगे व्यक्ति ठीक हो गये थे। और ओह, यह....

218 मैं विश्वास करता हूँ कि ऐसा समय आ रहा है जबकि.... पौलूस ने कहा था, ''भविष्यवाणीयाँ होंगी तो समाप्त हो जायेंगी; भाषायें हों तो जाती रहेंगी।'' मैं विश्वास करता हूँ कि ऐसा समय आ रहा है जब कि संत इस तरह से एकत्र होंगे, और बस प्रेम का आत्मा सभा के ऊपर से विचरण करेगा। और बस हर एक व्यक्ति जो कि वहाँ पर अन्दर है, सारी बातें जो कि गलत हैं, वो बाहर की जायेंगी। वहाँ पर पवित्र आत्मा की इतनी अधिक उपस्थिति होगी।

219 मैं विश्वास करता हूँ कि जबकि हमें उनके ऊपर हाथ रखने हैं और उनके लिये प्रार्थना करनी है, एक ऐसे सेवक को नियुक्त किया गया है जो कि उनको स्पर्ष करेगा और उनके ऊपर हाथ को रखेगा जो कि बस परमेश्वर की एक आशीष है। परन्तु मैं विश्वास करता हूँ कि एक समय आ रहा है जब परमेश्वर की कलीसिया को इस प्रकार से बाहर बुलाया जायेगा, जब संत एक साथ बैठेंगे, और पवित्र आत्मा बस अन्दर आयेगा और बस चलने लगेगा, ठीक जैसे कि पिन्तेकुस्त के दिन हुआ था। समझे? और बस लोगो को चंगा करेगा, और लोगो को खड़ा करेगा, और महान बातें होंगी। मैं देखता हूँ कि वह होना शुरू हो गया है।

क्योंकि मैं आपको बताता हूँ कि क्यों ऐसा करना है।

220 मनुष्य वरदान के साथ गये हैं, यह सच बात है। मुझे यह बात कहने में कोई संदेह नही है। मैं किसी की आलोचना नही करता हूँ। जो

भी वे विश्वास करते हैं, वे उनके ऊपर है, समझे। परन्तु मैंने मनुष्यों को देखा कि जिनकी सेवकाईयों में वरदान थे, परन्तु वे गये और उन्होंने कुछ अंश तक उसे बना डाला.... मैं क्या कहूँ? अब आदर के साथ और प्रेम के साथ, और परमेश्वर जानता है कि यह मेरे हृदय से है। समझे? उन्होंने उस बात से पैसा एकत्र करने का धंधा बना लिया, आप समझे, बस लोगो को एकत्र किया और कोई बड़ी महान चीज का प्रदर्शन किया। और शायद उन्होंने पैसे को एकत्र किया, और अच्छा, हो सकता है कि यह ठीक बात है। परन्तु मुझे यह प्रतीत होता है....

221 वे कहते हैं, "अच्छा, अन्त आ रहा है, लोगों को पैसे कि क्यों आवश्यकता है?" अच्छा, तो फिर आप को स्वयं उसकी क्यों आवश्यकता है? समझे?

222 अतः, बात यह है कि बस सुसमाचार को लोगो के पास पहुँचाना है, आप समझे, प्रचार करना है। मैं विश्वास करता हूँ कि यदि हम बस.

223 और वरदान, और चिन्हों के बारे में, आप समझे। आर अब एक व्यक्ति इस प्रातः यहाँ पर आ सकता है, और मंच पर खड़ा हो सकता है, और बड़े आश्चर्यकर्म और चिन्ह दिखा सकता है। उस बात का यह मतलब नही कि उस व्यक्ति का उद्धार हो गया है। शैतान आश्चर्यकर्म करता है और चिन्ह दिखलाता है। निश्चित रूप से वह ऐसा करता है। निश्चित रूप से वह ऐसा करता है। और बाईबिल कहती है कि अंतिम दिनो में वे ऐसा और अधिक करेंगे। अच्छा, यीशू ने कहा, "बहुतेरे मेरे पास आयेंगे और कहेंगे, 'प्रभु, क्या मैंने तेरे नाम में दुष्टआत्माओं को नही निकाला? और क्या मैंने यह नही किया? और क्या मैंने वह नही किया, और वे सब बातें नही की?'" उसने कहा, "मैं तुम्हें नही जानता। हे कुकर्म करने वालो, मुझसे दूर हो जाओ।" समझे?

मैं विश्वास करता हूँ कि समय आ रहा है...

224 "किन्तु सब को लाभ पहुँचाने के लिये हर एक को आत्मा का

प्रकाश दिया जाता है।'' यह–यह सच बात है। मैं विश्वास करता हूँ कि वरदान अद्‌भुत चीज हैं, और हमें उनका आदर करना चाहिये।

225 परन्तु मैं विश्वास करता हूँ कि एक समय आ रहा है कि उस बात से और भी ऊँचा स्तर आने जा रहा है। क्यों, ''यह बातें मिटने जा रही हैं, और वह जो कि प्रेम है हमेशा के लिये विद्यमान रहेगा।'' समझे? यह परमेश्वर का प्रेम है। हम बस–हम बस खड़े होकर इस प्रकार से प्रचार कर रहे होंगे, या बातचीत कर रहे होंगे, और बस परमेश्वर का प्रेम आकर भवन पर छा जायेगा। क्या बात है! ओह मेरे परमेश्वर!

226 आप समझे, यह प्रचार करने का दिन है। यह वह दिन है जब हमें अन्दर जाना चाहिये और पापीयों को बाहर लाना चाहिये। देखिये कि मेरा क्या मतलब है? वचन का प्रचार इसीलिये होता है, पापीयों के लिये होता है, और उन्हें बाहर लाने के लिये होता है। अब हमें देखना है, वहाँ अन्दर, और हम... चिन्ह और चमत्कार हाथ रखने से और ऐसी ही बातों से होते हैं, क्योंकि यह प्रचार करना है।

227 परन्तु मैं विश्वास करता हूँ कि अब समय आ रहा है जब कि वह बस.... कलीसिया का बस लंगर लगभग पड़ चुका है। समझे?

228 परमेश्वर की देह अनोखी नही होगी। उसके पास एक अंगुली पर छः अंगुलियां नही होंगी। एक हाथ पर बस पाँच अंगुलियां होंगी। परमेश्वर की देह अनोखी नही होगी। और जब अंतिम जन परमेश्वर की देह में आ जायेगा, तब फिर वह समाप्त हो जायेगा। (भाई ब्रन्हम मंच पर एक बार खटखटाते हैं–सम्पा) समाप्ति हो जायेगी। मैं यह नही जानता हूँ कि वह कौन है। इस प्रातः यह वाला अंतिम हो सकता है। आप वो अंतिम व्यक्ति हो सकते हैं। शायद इस प्रातः अफ्रीका में वह अंतिम जन लाया जायेगा। परन्तु जब अंतिम व्यक्ति आ जायेगा, मेरा मतलब है... आप सुसमाचार का प्रचार करना जारी रख सकते हैं, परन्तु कोई आपको उत्तर न देगा। समझे, कोई प्रतिक्रिया नही होगी।

229 बिली ग्राहम और उन लोगो से बातचीत कर रहा था, जब वे एक स्थान पर थे जहाँ पर तीस हजार, या बीस या तीस हजार व्यक्ति परिवर्तित हो गये थे। वे एक वर्ष के अन्दर बीस या तीस व्यक्ति भी नही ढूँढ़ सकते थे। जरा उस बात के विषय में सोचें, बस उस बात के विषय में सोंचे। समझे?

230 अब यह मुझे ठीक एक कैलविनिस्ट बनाती है। समझे? जो परमेश्वर ने बनाया है, वह परमेश्वर ने बनाया है।

231 अब यीशु पृथ्वी पर बस यह कहने नही आया, ''मैं प्रचारकों का भेजूंगा और वे कुछ प्रचार करेंगे, उन्हें उस बात के विषय में बतायेंगे कि मैंने क्या किया है, और शायद किसी को मेरे लिये दुःख हो और वह बच जायेगा।'' परमेश्वर अपनी कार्यस्थिति को इस प्रकार से नही चलाता है।

232 वहाँ पर परमेश्वर आरंभ में यह ठीक–ठीक जानता था कि कौन उद्धार पायेगा। यीशु उन लोगो को बचाने के लिये आया जिनको कि परमेश्वर जानता था कि वे उद्धार पायेंगे। वह यह नही चाहता था कि वे नाष हो जायें, परन्तु परमेश्वर होते हुये वह यह जानता था कि कौन नाश होगा और कौन उद्धार पायेगा। इसीलिये वह पहले से ठहरा सकता था। पहले से ठहराना नही.... वह–वह पूर्व... पूर्वज्ञान के द्वारा, उसने सब बातों को क्रम में लेकर आया, ताकि सब बातें उसकी महिमा के लिये कार्य करें। क्योंकि वह..

233 शैतान–शैतान सर्वज्ञानी नही है और न ही वह सर्वशक्तिमान है, न ही वह आरंभ से लेकर अन्त को जानता है। परमेश्वर अकेले ही उस बात को जानता है। वहाँ पर एक बात है, परमेश्वर यहाँ पर ऊपर है। वह जानता है। शैतान नही जानता है कि क्या होने जा रहा है। वह यह नही जानता है कि क्या होने जा जा रहा है। केवल एक ही बात वह जानता है, वह बस एक शैतान है, और वह बस उन बातों को करता है जो वह कर सकता है। और उस हर एक चीज जिसपर कि वह हाथ डाल सकता हैं, वह उसे करता है।

234 परन्तु परमेश्वर अन्त को जानता है। आमीन। अतः, अंत को जानते हुये वह हर एक बात को ठीक अपनी महिमा के लिये करता है। आमीन। ओह, मैं उससे प्रेम करता हूँ। ओह मेरे परमेश्वर! समझे? वह परमेश्वर है। अतः उस अेतिम व्यक्ति को याद करें जिसने....

235 कब आपका नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में लिखा गया; कल, पिछले वर्ष, दो वर्ष पहले? नही श्रीमान। ''जब संसार की उत्त्पत्ति हुयी, आपका नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में लिखा गया,'' यह बाईबिल ने कहा है। प्रकाशितवाक्य में बाईबिल ने कहा, ''और मसीही विरोधी ने पृथ्वी पर उन सभी को भरमाया जिनका नाम जगत की उत्तपत्ति से पहले मेमने की जीवन की पुस्तक में नही लिखा गया।'' आपका नाम तब लिखा गया था। अब केवल एक ही बात है....

आप कहते हैं, ''तब फिर प्रचार करना क्या है?''

236 अच्छा, बाईबिल इस बात को सफाई से बताती है। समझे? उसने कहा, ''स्वर्ग का राज्य एक व्यक्ति की तरह है जिसने एक जाल को लिया और एक समुद्र या एक झील पर गया। और उसने समुद्र में जाल फेंका और उसने उसे खींचकर बाहर निकाला।'' प्रचार करना यही बात है। समझे? वहाँ पर एक पूरा समुद्र है। संयुक्त राष्ट्र एक झील है। और सेवकगण.....

237 अब मैं वहाँ पर जाता हूँ और जैफरसनविले में एक झील के किनारे खड़ा हो जाता हूँ। कहिये कि, ''भाई नेविल, आप मछली पकड़ रहे हैं?

''हाँ''

''कुछ प्राप्त हो रहा है?''

''बहुत कुछ नही।''

238 "अच्छा, आइये... मैं आपके साथ कुछ समय तक मछली पकड़ूंगा।" और मैं अपना जाल बाहर फेंकूंगा, और वह भी अपने जाल को फेंकते हैं। और यहाँ पर हम खींचते हैं, प्रचार कर रहे हैं, अन्दर खींच रहे हैं।

239 एक लोगो का झुण्ड अन्दर आता है, कहते हैं, "हाँ, मैं प्रभु यीशु को ग्रहण करना चाहता हूँ।" ठीक है।

चारों ओर देखते हैं, "इनमें से कौन सी मछली है? कौन सी है?

"मैं नही जानता हूँ।" समझे?

"अच्छा, अब आप क्या करने जा रहे हैं?

240 "अच्छा, मैं कैलीफौर्निया जा रहा हूँ। परमेश्वर ने मुझे कैलीफौर्निया भेजा है। मैं वहाँ पर कुछ समय के लिये मछली पकड़ने जा रहा हूँ।"

241 मैं वहाँ पर जाऊँगा और अपने जाल को इस प्रकार से बाहर फेंकूंगा, और फिर खींचूगा, पन्द्रह सौ एक समय में आते हैं। "क्या उनमें सब बच गये?" मैं नही जानता हूँ। वे वहाँ पर हैं। मैं जाल को उठाता हूँ। यही सुसमाचार का जाल है।

242 उनमें से कुछ, जैसा कि बाईबिल ने कहा, वे पानी में पायी जाने वाली सब प्रकार की चीजें थीं। वे उसी पानी में सांस लेते थे, उसी पानी में जीते थे।यह ठीक बात है? (सभा कहती है, "आमीन"—सम्पा.) समझे? वहाँ पर कछुये, कीचड़ में रहने वाले कछुये, सांप, मेढक, छिपकलीयां, मुरदाखोर थे, और वास्तविक मछलीयां थीं।

243 अब वे जो कि मछलीयां थीं, जब सुसमाचार का जाल उनके ऊपर गया, तब वे किनारे पर आकर भी मछलीयां थीं। वे जो कि सुसमाचार के जाल में कछुये थे, वे किनारे पर आकर भी कछुये थे। अधिक देर नही होगी जब वे ठीक उस कीचड़ में वापस चले जायेंगे।

''जैसे कि सूअर गन्दगी में लोटता है और कुत्ता अपनी छाँट को चाटता है,'' वे दूर चले जाते हैं। समझे?

244 परन्तु आरंभ में, आरंभ से ही वे कछुये थे। यह मेरा कार्य नही कि मैं उनको कछुआ कहूं। मैं नही जानता हूँ। मैं तो बस जाल डाल रहा हूँ, समझे, बस जाल को खींच रहा हूँ। परन्तु जब अंतिम मछली पानी में से बाहर आ जाती है, भाई, तब वह बात पूरी हो जाती है।

ओह, प्रभु स्वयं आयेगा
और कहेगा कि कार्य पूरा हो गया है
स्टेशन कुछ देर में बदलने वाला है।

245 यह ठीक बात है। यह ठीक बात है। जी हाँ श्रीमान। वह कहेगा, ''कार्य समाप्त हो गया है और वह पूरा हो गया है,'' जब अंतिम जन आ जायेगा।

246 और सूअरों का एक पुराना झुण्ड लोट रहा है और हर एक कार्य को कर रहा है। परमेश्वर जितनी तेजी से वह कर सकता है, मछली को वहाँ पर से बाहर निकाल रहा है। हर एक जगह से प्रचारक बस अपने जालों को एक या दूसरी ओर डाल रहे हैं। हम यहाँ तब कि एक दूसरे के चारों ओर जालों को लपेट रहे हैं। हम जितनी जोर से खींच सकते हैं, उतनी जोर से खींच रहे हैं, जाल डाल रहे हैं। वह बस लगभग तैयार है। वह उस पुराने तालाब को इनमें से एक दिन में उड़ा देगा, और तब वह समाप्त हो जायेगी। परन्तु मछली अच्छे स्थान पर जायेगी, वहाँ दूर साफ पानीयों में जायेगी, जहाँ पर हमेशा के लिये उन्हें अनन्त जीवन मिलेगा। आमीन। ओह, जब अंतिम जन आ जायेगा! ओह मेरे परमेश्वर!

247 कैसे, यह कितने सौभाग्य की बात है कि परमेश्वर कहे, (भाई ब्रन्हम मंच पर पाँच बार खटखटाते हैं–सम्पा) ''क्या तुम मछली होना चाहोगे?'' आमीन। ''क्या तुम मेरी मेज पर मछली होना चाहोगे?'' क्या तुम मेरी मेज पर आकर खना चाहोगे?'' ओह मेरे परमेश्वर!

"निश्चित रूप से। निश्चित रूप से, प्रभु।" समझे? परन्तु उनका स्वभाव मछली की तरह है।

248 जब आप मसीही होते हैं, तो आप का स्वभाव मसीही की तरह से होता है। आप को यह कहने की आवश्यकता नही पड़ती है, "अब आप–आप नही कर सकते हैं, आप धूम्रपान नही कर सकते हैं। आप शराब नही पी सकते हैं। आप ऐसा नही कर सकते हैं।" आप को ऐसा कहने की आवश्यकता नही पड़ती है। वे चाहे जो भी कुछ हो जाये, ऐसा नही करते हैं। समझे? उनका स्वभाव भिन्न होता है। मसीह की आत्मा व्यक्ति में होती है, और मसीह ऐसी बातों को नही करता है। समझे?

249 आप कहते हैं, "तुम्हें प्रभु को प्रेम करना चाहिये। तुमको गिरजे जाना चाहिये।" आप को उन लोगो को यह बताने की आवश्यकता नही पड़ती है। वे हर हालत में जाते हैं। वे बरसात में जाते हैं। वे जायेंगे। वे गिरजे जाने के लिये मृत्यु से होकर जाते हैं। निश्चित रूप से। वे उस बात से प्रेम करते हैं। उनको तो बस वहाँ पर पहुँचना ही है। उनके लिये यही सब कुछ है। यह उनका जीवन है। यदि वे ऐसा नही करते हैं, उनको–उनको लगता है कि वे नाश हो रहे हैं। निश्चित रूप से ऐसा ही है। जी हाँ श्रीमान। आप को बस वहाँ पर पहुँचना होता है, और उनके हृदय में बस कुछ चीज जलती रहती है। वहाँ बहस करने के लिये नही जाते हैं, वहाँ पर बात का बतंगड़ बनाने के लिये नही जाते हैं, परन्तु आराधना करने के लिये जाते हैं। ओह मेरे परमेश्वर! और आप तरोताजा होकर घर आते हैं। क्या यह अद्‌भुत जीवन नही है? कितनो ने इस बात का अनुभव किया है? आइये, आप के हाथों को देखें। ओह!

250 यह ठीक बात है, जरटी। आइये हम इसे गायें। "शान्ति!शान्ति!"

शान्ति! अद्‌भुत शान्ति,
पिता के पास ऊपर से आ रही है;
मैं प्रार्थना करता हूँ कि हमेशा के लिये मेरी आत्मा के ऊपर से जाये,

प्रेम की अथाह लहरों में।

251 मैं चाहता हूँ कि आप कुछ करें। जो भी आपके ठीक नजदीक बैठा है, आप उनसे हाथ मिलायें और कहें, "भाई और बहन, परमेश्वर आपको आशीष दे। आप से स्वर्ग में मिलना चाहता हूँ" (भाई ब्रन्हम और सभा हाथ मिलाते हैं जबकि पियानोवादक अद्‌भुत शान्ति गाने की एक आयत को बजाती है–सम्पा.)

शान्ति! अद्‌भुत शान्ति,
पिता के पास ऊपर से आ रही है;
हमेशा के लिये मेरी आत्मा के ऊपर से जा, (ओह मेरे परमेश्वर),
प्रेम की अथाह लहरों में।

क्रूस पर जहाँ पर मेरे उद्धारकर्ता की मृत्यु हुयी,
पाप से सफा होने के लिये वहाँ पर मैं चिल्लाया था;
वहाँ पर मेरे हृदय पर लहु लगाया गया था;
उसके नाम की महिमा हो!

उसके नाम की महिमा हो!
उसके अनुपम नाम की महिमा हो!
वहाँ पर मेरे हृदय पर लहु लगाया गया था;
उसके नाम की महिमा हो!

252 अब जबकि हम इस गाने की अगली आयत को गाते हैं, मैं आश्चर्य करता हूँ कि यदि बिमार जन ठीक यहाँ पर प्रार्थना के लिये पंक्ति बनायेंगे, ठीक इस ओर। और मैं सेवकों से यह चाहता हूँ कि यदि वे बिमारों के लिये प्रार्थना करने में हमारी सहायता के लिये आगे आयेंगे। दायीं ओर पंक्ति बना लें, इस तरफ से आयें। यह ठीक है, दायीं ओर से, जो कि प्रार्थना करवाना चाहते हैं।

मैं अद्‌भुत तरीके से पाप से बचा लिया गया,

यीशु इनती मधुरता के साथ अन्दर वास करता है,
वहाँ क्रूस पर उसने मुझे अन्दर ले लिया था;
उसके नाम की महिमा हो!

उसके अनमोल नाम की महिमा हो!
उसके अनमोल नाम की महिमा हो!
वहाँ पर मेरे हृदय पर लहु लगाया गया था;
उसके नाम की महिमा हो!

253 वह महान वैद्य गाने की धुन दें, क्या आप बजायेंगी, बहन जरटी, यदि आप बजायेंगी।

254 अब मैं आप से कुछ पूछना चाहता हूँ।(मैं उनको लूंगा। जी हाँ श्रीमान।) क्या आप किसी प्रत्याशा से या किसी अपेक्षा से आ रहे हैं, कि आप इस प्रातः चंगे होने जा रहे हैं? क्या यही बात आपके हृदय में बहुत गहराई में है? मेरे मित्र, यदि आप उस तरह से आ रहे हैं, मैं आपको यह आश्वासन देता हूँ कि आपकी चंगाई उतनी ही निश्चित है जितना कि आपका उद्धार है, बस उतनी ही निश्चित है।

255 अब आपकी चंगाई आपके उद्धार की तरह स्थायी रूप में नही है। आपकी चंगाई आप को असफल कर देगी। आप हो सकते हैं... यदि आप चंगाई पाते हैं, आप फिर से बिमार हो सकते हैं। आप आज निमोनिया से चंगे हो सकते हैं, बिलकुल सामान्य और ठीक हो सकते हैं, ''ठीक–ठाक'' डाक्टर ऐसा कह सकता है, और अगले सप्ताह निमोनिया से आपकी मृत्यु भी हो सकती है। यह ठीक बात है।

256 आप इस सप्ताह टी0बी0 से बिलकुल ठीक हो सकते हैं; और आज से दो महीनो के बाद आप टी0बी0 से मर भी सकते हैं। आपका परीक्षण हो सकता है कि आप के शरीर में एक भी कीटाणु नही है जिसका कि वे पता लगा सकते हैं; और दो सप्ताह में टी0बी0 से आपकी मृत्यु हो सकती है। यह ठीक बात है। समझे? और आपको तो हर हालत

में मरना ही है।

257 परन्तु उसके उपकार! दाऊद चिल्लाया था, ''उसकी सारे उपकारों को मत भूलना। हे मेरे मन, यहोवा के नाम को धन्य कह और वह सब कुछ जो कि मेरे अन्दर है, उसका पवित्र नाम धन्य कहे। हे मेरे मन, यहोवा के नाम को धन्य कह, और उसकी सारे उपकारों को मत भूलना।'' उपकार! यात्रा में क्या उपकार हैं? ''जो मेरे सारे कुकर्मो को क्षमा करता है।'' कुकर्म वह बात होती है जब आप बाहर जाते हैं और आप उस बात को करते हैं, और आप जानते हैं कि आप को ऐसा नही करना चाहिये था। वह उसे क्षमा करता है। आप उससे मांगे, वह आपको क्षमा करता है। ''जो मेरे सारे कुकर्मों को क्षमा करता है; जो मेरी सारी बिमारीयों को चंगा करता है।''

अब मैं इस बात को आपके लिये हमेशा के लिये साफ कर देना चाहता हूँ।

258 तब फिर कोई कहता है, ''भाई ब्रन्हम , क्या आप दिव्य चंगाई में विश्वास करते हैं?''

259 अब मुझे यह बात समझदारी के साथ और बड़े सन्तुलित तरीके से कहने दें। मैं चाहता हूँ कि कोई डाक्टर, कोई विज्ञान, कहीं पर भी क्यों न हो, मैं उन्हें इस बेदारी में निमंत्रण देता हूँ, कि वे इस मंच पर आयें और मुझे एक स्थान दिखायें जहाँ पर कोई भी व्यक्ति दिव्य चंगाई के अलावा किसी और चीज से चंगा हुआ हो। मैं–मैं चाहता हूँ कि आप अपने डाक्टर के पास जायें, या जिस किसी के पास आप जाना चाहते हों, और मुझे एक भी व्यक्ति ऐसा दिखायें जो कि दिव्य चंगाई के अलावा किसी और चीज से चंगा हुआ हो।

260 मैं चाहता हूँ कि आप मेरे पास उस दवा को लायें जो कि चंगा करती हो। मैं चाहता हूँ कि आप किसी डाक्टर को मेरे पास लायें जो कि यह कहता हो वह चंगा करने वाला है। वह ''हीलर'' (heeler) तो

होगा, यह ठीक बात है, ''जूती की एढ़ी,'' वह डाक्टर के जूते की ऐढ़ी होगा। परन्तु परमेश्वर ही वह एक है जो कि चंगा कर सकता है, या जिसने कभी चंगा किया, या आगे चंगा करेगा।

261 यदि हमारे पास कोई दवा होती जो कि चंगा कर सकती, तो हम इस मंच पर उस दवा की सहायता से एक व्यक्ति को बना सकते थे। यह ठीक बात है, हम एक व्यक्ति को बना सकते हैं, ठीक इस मंच पर उसकी सृष्टि कर सकते हैं।

262 बस उसके विषय में सोचिये, सब चंगाइयाँ दिव्य चंगाई होती है। परमेश्वर के पास उसे करने के तरीके हैं।

263 अब आप कहते हैं, ''अच्छा, भाई ब्रन्हम, मेरा ट्यूमर का, अपेन्डसाइटिस की शल्य–चिकित्सा हुयी है। यदि डाक्टर उसे काट कर बाहर नही कर देता, मेरी मृत्यु हो गयी होती।''

264 हो सकता है। शायद वह सच बात हो। परन्तु क्या आप को मालूम है कि डाक्टर ने आपको कभी चंगा नही किया? डाक्टर ने उस रूकावट को हटाया। उसने बस अपेनडिक्स को हटाया। यही बात आप को चोट पहुँचा रही थी। परन्तु उसने उसे कभी चंगा नही किया।

265 आपका हाथ टूट गया। आप कहते हैं, ''अच्छा, मेरा हाथ टूट गया है... मैं यह इस बात की शर्त लगाता हूँ कि यदि आपका हाथ टूट गया है, आप डाक्टर के पास जायेंगे।'' मैं तो जरूर जाऊँगा। परन्तु वह उसे चंगा नही कर सकता है।

266 क्या हो यदि मैं अन्दर जाऊँ और कहूं, ''डाक्टर, मेरे हाथ को जल्दी से चंगा कर दो। मुझे अपनी कार पर इस दोपहर कार्य करना है''? समझे? क्यों, वह इस बात को जान जायेगा कि मुझे अपने दिमाग की चंगाई की आवश्यकता है।

267 वह यह कहेगा, ''मैं तुम्हारे हाथ को स्थिर कर सकता हूँ।'' परन्तु उसे चंगा कौन करता है?

268 आप कहते हैं, ''भाई ब्रन्हम, पेनीसीलीन के विषय में क्या, जब वे उसे आपको बिमारी में देते हैं, आपके शरीर में यौन रोग के जीवाणुओं के लिये देते हैं, और–और जब आपको निमोनिया होता है? क्या पेनीसीलीन.... क्या पेनीसीलीन आप को चंगा करती है?'' नही श्रीमान।

269 पेनीसीलीन, पेनीसीलीन एक प्रतिजैविक (antibiotic) है, और प्रतिजैविक एक मारने वाली दवा होती है। प्रतिजैविक दवा मारती है। सारी दूसरी दवाईयां मारती हैं। दवायें बनाती नही हैं; वह मारती हैं। दवा मारनेवाली होती है, चंगा करनेवाली नही होती। मुझे एक ऐसी दवा बतायें जो कि चंगा करती है। मुझे एक ऐसी दवा दिखायें जो कि मारती नही है, और आप के पास कोई दवा नही है। दवाये मारती हैं, जीवाणुओं को मारती हैं।

270 यह बस उसकी तरह है कि यदि आपके घर में चूहे हैं, और आप चूहे मारने की दवा डाल दें। और चूहे आप के घर में छेद बना रहे हैं। अच्छा, अब, चूहे मारने वाली दवा चूहों को मार देती है, परन्तु वह उन छेदों को बन्द नही करती है। समझे? पेनीसीलीन, पेनीसीलीन जीवाणुओं को मार देती है, परन्तु परमेश्वर को उस स्थान को चंगा करना होता है जहाँ जीवाणुओं ने खा लिया होता है। समझे मेरा क्या मतलब है?

271 जो भी कुछ हो, परमेश्वर का वचन, हम उस में जा रहे हैं। परमेश्वर का वचन अपने आप को काट नही सकता है। यह बिलकुल सच है। यह.....मैं चाहता हूँ कि कोई व्यक्ति आये और बेदारी में किसी समय अपनी ऊँगली वचन पर रखें, कि वह मुझे परमेश्वर के वचन किसी विरोध को दिखाये, कि कहाँ पर उसने अपने आप को काटा है, और वह परमेश्वर के वचन के द्वारा समझाया न गया हो। ऐसा नही है। निश्चित रूप से। वचन में विरोध कही पर भी बिलकुल नही है। यह बिलकुल ठीक बात है।

272 आप एक विषय को लें। मैं आप को एक पत्र लिखकर कुछ बता सकता हूँ। आप को एक पत्र और लिखूं और एक पत्र लिखूं। पहली बात आप जानते हैं, यह दो जन दो विभिन्न विषयों पर बात कर रहे होते हैं। समझे? निश्चित रूप से।

273 परन्तु परमेश्वर ही केवल वह एक है जिसने कभी चंगा किया, या जो कभी चंगा करेगा, या जो कभी चंगा कर सकता है। आपका हाथ टूट जाये, अब मैं कहूं...

"अच्छा, मुझे ट्यूमर है, उसके विषय में क्या?" ठीक है।

274 अब यदि वो छोटी जगह जहाँ पर ट्यूमर ने पकड़ बनायी है, यदि परमेश्वर, शैतान को बाहर निकालता है, और जीवन ट्यूमर में से बाहर चला जाता है, तो उसकी मृत्यु हो जाती है।

275 यदि डाक्टर उसे काट कर बाहर निकाल देता है, तब परमेश्वर को उस जगह को चंगा करना होता है जहाँ पर डाक्टर ने काटा है। यदि ऐसा नही होता है, तो आपका लहु बहते बहते आपकी मृत्यु हो जायेगी। क्या यह ठीक बात है? क्या हो यदि वह अपेनडिक्स को आपमें से बाहर निकालता है, और परमेश्वर आप को चंगा नही करता है, तब उसके विषय में क्या? आप ठीक वहीं पर मर जायेंगे।

276 आप बाहर यहाँ सड़क पर जाकर पानी की मुख्य पाईपलाइन को बन्द कर दें। आप वहाँ पर बाहर जायें और उस मुख्य पाईपलाइन को बन्द कर दें, और फिर पता लगायें कि उस सड़क पर मल व्यवस्था में क्या होता है, और देखें कि क्या होता है।

277 आप वहाँ पर बाहर जायें और मुख्य वाले को बन्द कर दें, मुख्य पानी की टोटी को बन्द कर दें, एक पानी की ओटी को बन्द कर दें, देखें कि क्या होता है। वह वहाँ नीचे पंप स्टेश्न में फट जायेगा।

278 मानव शरीर की तरह संसार में कोई भी जगह, कोई भी चीज

नही है। परन्तु आप एक मुख्य नस को काट कर दो भाग में कर दें, और उन दोनो को एक साथ यहां पर कस दें, और परमेश्वर लहु के लिये एक विकल्प मार्ग बना देगा और लहु को वापस उस नस में ले जायेगा। यदि ऐसा नही होता है;एक मिनट के अन्दर, यदि वह वापस आता है और आपके हृदय से आकर टकराता है, आप, (भाई ब्रन्हम अपनी ऊँगली को चटकाते हैं–सम्पा) पहली बार जब आप अपने आप को खुजलायेंगे, आप की उस प्रकार से मृत्यु हो जायेगी।

279 चंगा करने वाला कौन है? ओह मेरे परमेश्वर! परमेश्वर चंगा करने वाला है। समझे, आपके पाास कोई भी यान्त्रिक प्रणाली नही है जो कि उस प्रकार से कार्य करती हो। इसे तो अलौकिक होना ही है।

280 मेरी मुख्य नस मेरे दोनो पैरों में दो भाग में हो गयी थी। समझे? और परमेश्वर... वहाँ पर मैं था, एक छोटा सा पापी लड़का था जिसकी मैदान में मृत्यु हो रही थी। परमेश्वर जानता था कि वह चाहता है कि मैं सुसमाचार का प्रचार करूं। उसने लहु के लिये एक विकल्प मार्ग बनाया। मैं तो उस बात के विषय में जानता तक नही जब तक कि कोई मुझे इसके बारे में नही बताता, या मैंने नीचे उस खरोंच को देखा होता। समझे? परमेश्वर उस मुख्य नस में था!

281 आप इस पंप पर जो कि यहाँ पर है, उस मुख्य नल को तोड़ दें, यहाँ सरकार की तरफ देखें कि क्या होता है। वह वहाँ पर वापस आयेगा और वह चीज फट जायेगी। निश्चित रूप से ऐसा होगा। पानी का बहाव जो कि बल लगा रहा है, वह ठीक पीछे की ओर उसे धकेलेगा।

282 परन्तु परमेश्वर विकल्प मार्ग को बनाता है और उसे किसी दूसरे मार्ग से ले जाता है। उस बात को कौन करता है? कौन सी ऐसी बुद्धि है जो कि ऐसा करती है? आप मुझे कोई पानी की कोई प्रणाली दिखायें जो कि ऐसा करती है। (भाई ब्रन्हम अपने हाथों से तीन बार ताली बजाते हैं–सम्पा.) हालेलुइया! यह परमेश्वर की बुद्धि है। यह वह महान

सृष्टिकर्ता है जो कि ऐसा करता है। जी हाँ, निश्चित रूप से ऐसा ही है।

283 कौन सी चीज एक पेड़ को दूसरे से भिन्न बनाती है? क्या चीज एक चिड़िया के रंग को दूसरे से भिन्न बनाती है? क्या चीज उसकी बोली को भिन्न बनाती है? कौन सी चीज हमको वह बनाती है जो कि हम हैं? यह एक बुद्धि है। यह परमेश्वर है।

284 अब आप डरें नही। उसने बनाया.... यह उसकी प्रतीज्ञा है। यह भाई ब्रन्हम नही हैं। यह उसकी प्रतीज्ञा है। "मैं ही वह परमेश्वर हूँ जो कि तुम्हारी सारी बिमारीयों को चंगा करता हूँ।" "यदि कोई बिमार है, कलीसिया के प्रचीनो को बुलायें, उन्हें तेल से अभिषिक्त करें, उनके लिये प्रार्थना करें, विश्वास की प्रार्थना से रोगी च्रगा हो जायेगा। विश्वासीयों में यह चिन्ह पाये जायेंगे। यदि वे बिमारों पर हाथ रखेंगे, तो बिमार चंगे हो जायेंगे।" और जब वह आदेश निकल चुका है, उसे उसी प्रकार से ग्रहण करें जिसे प्रकार से आप पश्चाताप करते हैं और बपतिस्मा लेते हैं। चलकर जायें और कहें ,"यह समाप्त किया हुआ कार्य है। यह समाप्त किया जा चुका है।" समझे?

285 परन्तु हम कोई अद्भुत आश्चर्यकर्म के होने की बाट जोह रहे होते हैं। वह जरूर होता है यदि उसे होने के लिये पर्याप्त विश्वास हो। परन्तु यदि उसे होने के लिये पर्याप्त विश्वास नही है, तो वह कुछ देर के बाद हर हालत में होगा।

286 देखिये कि यीशु ने वहाँ क्या कहा था जब वह बदल गया था, जब उसने एक पहाड़ के विषय में कहा था। उसने कहा, "कुछ देर के बाद यह घटित होगा। यदि तुम इस पहाड़ से हिलने के लिये कहते हो, और अपने हृदय में विश्वास कर लेते हो कि ऐसा हो जायेगा," कहा, "धीरे–धीरे यह घटित होगा।" समझे? ऐसा होगा।

अब आप बिमार हैं। आप में बहुत की मृत्यु हो रही है, और स्थिति खराब है।

287 अब मैं उनको एक व्यक्ति को थामे हुये देख रहा हूँ। वह व्यक्ति बहुत बिमार है। कैन्सर एक भयानक चीज है, परन्तु परमेश्वर कैन्सर को चंगा कर सकता है। ओह मेरे परमेश्वर! मैं आप को यहां पर दिखा सकता हूँ। यहां पर कितनो ने कभी.... क्या कोई यहां पर है जो कि कैन्सर से चंगा हुआ हो? अपने हाथों को उठायें। यहां पर देंखे, कलीसिया में वे सब तरफ हैं। समझे? निश्चित रूप से वे सब जगह हैं। हम उनको लेकर आये हैं क्योंकि परमेश्वर चंगा करनेवाला है।

288 अब आप में हर एक जन जो कि वहां पर है, मैं चाहता हूँ कि आदर में आप अपने सिरों को झुकायें, मैं चाहता हूँ कि आप प्रार्थना करें। भाई नेविल, यहां आइये। अब आप लोग... मैं चाहता हूँ कि प्राचीन यहां पर आयें ताकि हम लोगो के लिये प्रार्थना कर सकें। और जब आप यहां पर आते हैं.... इस बात को करें। जब आप यहां पर आते हैं, आप अपने संपूर्ण ह्रदय के साथ विश्वास करें। और बस मेरे.... वचन को न लें, परन्तु उस बात के लिये परमेश्वर के वचन को लें। बस अपने संपूर्ण ह्रदय के साथ विश्वास करें। (भाई ब्रन्हम अपने हाथों से एक बार ताली बजाते हैं–सम्पा.) उससे मामला समाप्त हो जाता हैं बस वही बात है। सब कुछ समाप्त हो चुका है। परमेश्वर ने ऐसा कहा है। उसके वचन ने ऐसा कहा है। वह असफल नही हो सकता है।

289 ''मैं इस बात की परवाह नही करता हूँ कि मुझे कैसा लगता है। हर हालत में मैं यह कहते हुये आगे जा रहा हूँ कि यह सत्य है।'' देखें कि क्या होता है।

290 परन्तु, देखिये, यदि हम पीछे खड़े रहते हैं और कहते हैं कि प्रार्थना पंक्ति से इस तरह से आयें, (भाई ब्रन्हम मंच पर समझाने के लिये चलते हैं–सम्पा.) बस कभी नही होगा। बस यही बात है।

परमेश्वर अपने वचन के प्रति सच्चा बना रहता है

GOD KEEPS HIS WORD[2]

Vol.28 No.9

दो घंटे, टेप नंबर 57.0407 M

भाई ब्रन्हम के द्वारा यह संदेश अप्रैल 7, 1957 को रविवार प्रातः, ब्रन्हम आराधनालय, जैफरसनविले इन्डियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में दिया गया। चुम्बकीय टेप रिकार्डिंग से छपे हुये पन्ने पर ठीक–ठीक मौखिक संदेश को लाने के लिये हर एक प्रयास किये गये हैं, और बिना किसी काँट–छाँट किये हुये यह संदेश छापा गया है और VOICE OF GOD RECORDINGS के द्वारा निःशुल्क बाँटा जाता है।

1993 में छापा गया

VOICE OF GOD RECORDINGS

P.O.BOX 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A

VOICE OF GOD RECORDINGS INC.

India Office

No. 28, Shenoy Road, Nungambakkam, Chennai - 600 034

Phone : 044-28274560 Fax : 044-28256970

E-mail : india@vgroffice.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org